अहमदाबाद में 2008 के सीरियल ब्लास्ट केस में आज विशेष अदालत में सजा का ऐलान करते हुए 49 में से 38 दोषियों की मौत की सजा और 11 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।


# जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 68 दिनांक: 19-02-2022 शनिवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M





रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया ने कीरोन पोलार्ड की अगुवाई वाली वेस्टइंडीज की टीम को दूसरे टी-20 मैच में हरा दिया। सीरीज में मेजबान टीम 2-0 से आगे है। तीसरा टी-20 मैच रविवार को खेला जाएगा।

## अहमदाबाद ब्लास्ट केस : देश के इतिहास में पहली बार 38 दोषियों को फांसी, 11 को उम्रकैद

अहमदाबाद (ईएमएस)। यहां की विशेष अदालत ने आज अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट केस में ऐतिहासिक फैसला सुनाया देश के इतिहास में पहली बार एक साथ 38 दोषियों को फांसी और 11 को ताउम्र कैद की सजा का ऐलान किया गया इससे पहले गत 8 फरवरी 2022 को विशेष अदालत ने अहमदाबाद में हुए सिलसिलेवार बम विस्फोट के 77 आरोपियों में से 49 को दोषी ठहराया था जबकि 28 आरोपियों को सबूतों के अभाव में निर्दोष घोषत किया था शुक्रवार को विशेष अदालत के न्यायधीश एआर पटेल ने आईपीसी की दफा 302 और यूएपीए एक्ट के तहत 38 दोषियों को सजा ए मौत की सजा सुनाई जबकि 11 आरोपियों को ताउम्र कैद यानी अंतिम सांस तक कारावास की सजा का ऐलान किया कोर्ट ने आरोपी संख्या 1 से 18, 27, 28, 31, 36, 38, 39, 40, 42, 44, 45, 47, 49, 63, 69, 70, 75 और 78 को फांसी की सजा सुनाई है इसी के साथ कोर्ट ने सभी दोषियों को रु. 2.85 लाख का आर्थिक दंड भी किया है आरोपी संख्या 7 महमद उस्मार्न अगरबत्तीवाला को रु. 2.88 लाख का आर्थिक दंड किया है विशेष अदालत ने दोषियों के आर्थिक दंड से मृतकों के परिजनों को रु. 1-1 लाख का मुआवजा देने का आदेश किया है जबकि गंभीर रूप से घायलों को रु. 50-50 हजार और सामान्य घायलों को रु. 25-25 हजार का मुआवजे का आदेश दिया है अपने फैसले में विशेष न्यायधीश एआर पटेल ने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और मौजूदा प्रधानमंत्री की भी जिक्र किया है कोर्ट के मुताबिक बम विस्फोट में घायलों को देखने नरेन्द्र मोदी अस्पताल आएंगे, जिसे ध्यान में रखते हुए आतंकियों ने अस्पताल में भी बम प्लांट किए थे लेकिन नरेन्द्र मोदी भाग्यशाली थे जो बम धमाकों के बाद अस्पताल पहुंचे आतंकियों ने गुजरात दंगों का बदला लेने के लिए इतनी बड़ी आतंकी घटना को अंजाम दिया था आज कोर्ट ने केवल दोषियों को केवल सजा नहीं बल्कि 56 मृतकों के परिवार समेत 244 घायलों को भी न्याय दिया है विशेष अदालत के फैसले के बाद सरकारी वकील सुधीर ब्रह्मभट्ट ने कहा कि आज विशेष अदालत ने रेरेस्ट ऑफ द रेर केस मानते हुए आतंकी कृत्य और यूएपीए की धाराओं के तहत सभी दोषियों को सजा सुनाई है जिसमें 38 को फांसी और 11 दोषियों को जीवन के अंतिम सांस तक कारावास की सजा का आदेश दिया गया है दूसरी ओर दोषियों के वकील खालिद शेख ने कहा कि जजमेंट का अध्ययन करने के बाद यदि हमारे मुवक्किल कहेंगे तो हाईकोर्ट में अपील करेंगे हमें उम्मीद थी कि कम से कम सजा होगी दोषियों के दूसरे वकील एमएम शेख ने कहा कि इस मामले की लंबे समय तक ट्रायल चली है और हमने अपने मुवक्किलों को बचाने के सभी प्रयास किए अब विशेष अदालत के फैसले का अध्ययन करने के बाद आगे की जो कार्यवाही होगी वह करेंगे गौरतलब है कि 26 जुलाई 2008 की शाम अहमदाबाद शहर बम धमाकों से दहल गया था शाम 6.15 से शाम 7.45 बजे यानी 90 मिनट तक अहमदाबाद के विभिन्न इलाकों में एक के एक 20 जगहों पर साइकिल, कार और बस में प्लांट किए गए बम के विस्फोट से पूरा शहर कांप उठा था सिलसिलेवार इन बम धमाकों में 56 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 244 जितने लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे बम ब्लास्ट में सबसे अधिक लोगों की मृत्यु सिविल अस्पताल और एलजी अस्पताल में हुई थी घटना के बाद गुजरात पुलिस ने 19 दिनों में मामले की गुत्थी सुलझाते हुए सिलसिलेवार एक के बाद एक आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में चार्जशीट फाइल कर दी गुजरात पुलिस की असरदार कार्यवाही आज रंग लाई और दोषियों को फांसी और ताउम्र की सजा सुनाई गई

## महाराष्ट्र में बर्ड फ्लू की दस्तक 100 मुर्गियों की मौत से हड़कंप

ठाणे (ईएमएस)। महाराष्ट्र के ठाणे में एक पोल्ट्री फार्म में बर्ड फ्लू का मामला सामने आया है। इस पोल्ट्री के एक किलोमीटर के दायरे में आने वाले लगभग 25,000 पक्षियों को अगले कुछ दिनों में मार दिया जाएगा। फ्लू के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। ठाणे जिले में हाल में शाहपुर के पोल्ट्री फार्म में लगभग 100 पक्षियों की मौत के बाद बर्ड फ्लू के मामलों का पता चला। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ भाऊसाहेब डांगडे ने कहा, हाल में शाहपुर तहसील के वेह्रोली गांव के पोल्ट्री फार्म में लगभग 100 पक्षियों की मौत हो गई। उनके नमूने परीक्षण के लिए पुणे स्थित प्रयोगशाला में भेजे गए और परिणामों में पुष्टि हुई कि उनकी मौत एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा के कारण हुई थी। डांगडे ने कहा कि इसके बाद प्रभावित फार्म के एक किलोमीटर क्षेत्र में पोल्ट्री फार्मों में पाले जा रहे लगभग 25,000 पक्षियों को अगले कुछ दिनों में मार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले का पशुपालन विभाग अन्य पक्षियों में संक्रमण को फैलने से रोकने के उपाय करेगा। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मत्स्य पालन और पशुपालन मंत्रालय को यहां बर्ड फ्लू के मामलों के बारे में सूचित कर दिया गया है।

## पंजाब में थम गया चुनावी शोर, मतदान खत्म होने तक शराब ठेके भी रहेंगे बंद

चंडीगढ़। पंजाब में 20 फरवरी को होने वाले मतदान से पहले आज शुक्रवार शाम छह बजे प्रचार थम गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंजाब डा. एस करुणा राजू ने गत दिव कहा कि किसी भी हलके में चुनाव प्रचार के लिए के लिए अन्य क्षेत्रों से आए नेताओं, कार्यकर्ताओं को हलका छोड़ना पड़ेगा। हलके के चुने हुए सांसद या विधायक को उस हलके का मतदाता न होने पर भी संबंधित क्षेत्र छोड़ने के लिए नहीं कहा जा सकता है। चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी हलके में रह सकेंगे, भले वह किसी अन्य क्षेत्र के रहने वाले हों। इसके अलावा आज सायं छह बजे से मतदान खत्म होने तक शराब के ठेके भी बंद हो गए हैं।

डा. राजू ने कहा कि सभी हलकों के कम्यूनिटी सेंटर, धर्मशाला, गेस्ट हाउस व अन्य स्थानों की जांच कर यहां ठहरने वालों की सूची पर नजर रखी जाएगी। चुनाव प्रचार खत्म होते ही रेडियो और टीवी, सिनेमा आदि सहित अन्य किसी भी साधन पर प्रचार नहीं किया जा सकेगा।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मोहाली थाना फेज एक पुलिस स्टेशन में शिकायत दी है। शिकायत में आम आदमी पार्टी (आप) के संस्थापक सदस्यों में से एक कुमार विश्वास के एक बयान को लेकर मामला दर्ज करने को कहा गया है। डीएसपी सिटी 1 सुखनाज सिंह ने बताया कि पुलिस के पास शिकायत आई है। शिकायत में एक वीडियो के बारे में बताया गया है। वो वीडियो इंटरनेट पर डिलीट हो चुकी है। वीडियो को वेरीफाइ किया जा रहा है कि वह कहां पर बनी है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बता दें, कुमार विश्वास ने कथित तौर पर एक साक्षात्कार में केजरीवाल और खालिस्तानी अलगाववादियों के बीच सहयोग के बारे में बात की है। वीडियो में विश्वास ने खुलासा किया कि अरविंद केजरीवाल खालिस्तान समर्थकों के साथ बहुत अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं। उन्होंने अतीत में भी राजनीतिक उद्देश्यों के लिए उनका समर्थन लिया है। शिकायत में कहा गया है, खालिस्तानी पंजाब को भारत से अलग करके हमारे देश को विभाजित करना चाहते हैं। अगर दिल्ली के सीएम ने उनका समर्थन लिया है, तो वह भी भारत को विभाजित करने की साजिश का एक सक्रिय हिस्सा बन जाते हैं। कुमार विश्वास के अनुसार, अरविंद केजरीवाल को आइएसआइ और अन्य अलगाववादी समूहों को खालिस्तानियों के लिए धन देने में कोई समस्या नहीं है, जो कुमार विश्वास के बयान के अनुसार केजरीवाल के संपर्क में हैं और उनसे समर्थन लेने के उनके कार्य से कोई समस्या नहीं है।

## विजय माल्या, नीरव मोदी का नाम लेकर अपनी ही सरकार पर साधा निशानाः सांसद वरुण गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस)। आर्थिक अपराधियों विजय माल्या, नीरव मोदी और ऋषि अग्रवाल का नाम लेते हुए वरुण गांधी ने सरकार पर हमला बोला। बता दें कि बैंक धोखाधड़ी के मामलों में जहां विजय माल्या और नीरव मोदी के नाम हर कोई जानता है तो वहीं इस लिस्ट में ऋषि अग्रवाल का नाम नया है। ऋषि अग्रवाल एबीजी शिपयार्ड के पूर्व अध्यक्ष हैं और वे वर्तमान में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी के लिए जांच के दायरे में हैं। जब जांच एजेंसियों ने उनकी कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर बैंक धोखाधड़ी का पता लगाया तो भगोड़े कारोबारी विजय माल्या और नीरव मोदी देश से फरार हो गए। जहां माल्या पर अनुमानित 9,000 करोड़ रुपये और नीरव मोदी पर 14,000 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी का आरोप है। वहीं ऋषि अग्रवाल लगभग 23,000 रुपये करोड़ के घोटाले के केंद्र में हैं - माना जाता है कि यह देश का अब तक का सबसे बड़ा घोटाला है। वरुण गांधी ने केंद्र पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ऐसे भ्रष्टाचार के खिलाफ ठमजबूत सरकारठ से ठमजबूत कार्रवाईठ की उम्मीद है। वरुण गांधी ने ट्वीट कर लिखा, ठविजय माल्याः 9000 करोड़, नीरव मोदीः 14000 करोड़, ऋषि अग्रवालः 23000 करोड़, आज जब कर्ज के बोझ तले दब कर देश में रोज लगभग 14 लोग आत्महत्या कर रहे हैं, तब ऐसे धन पशुओं का जीवन वैभव के चरम पर है। इस महा भ्रष्ट व्यवस्था पर एक 'मजबूत सरकार' से 'मजबूत कार्यवाही' की अपेक्षा की जाती है। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से सांसद, वरुण गांधी हाल के कई मुद्दों पर सरकार के रुख की कड़ी आलोचना करते रहे हैं। उन्होंने तीन कानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध को संभालने के लिए केंद्र पर निशाना साधा था, जो अंततः आंदोलन के कारण निरस्त कर दिए गए थे। उन्होंने साल भर के विरोध प्रदर्शन के दौरान किसानों की मौत के लिए मुआवजे की भी मांग की थी और केंद्र से केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया था। आशीष मिश्रा पर उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान किसानों को कुचलने का आरोप है।

## अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद के भाई इकबाल कासकर को मिली सात दिनों की ईडी कस्टडी

- महाराष्ट्र के दो बड़े नेता के डी कंपनी कनेक्शन पर भी होगी पूछताछ

मुंबई, (ईएमएस)। शुक्रवार को अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया. इसके बाद उसे मुंबई के स्पेशल पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया. कोर्ट ने उसे 7 दिनों की ईडी कस्टडी में भेज दिया है. दरअसल मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में इकबाल कासकर को मुंबई से सटे ठाणे जेल से लाया गया था. दाऊद इब्राहिम और उससे जुड़े कई लोगों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के केस दर्ज हैं. इकबाल कासकर ठाणे जेल में वसूली के मामलों में बंद है. इससे पहले ईडी ने मंगलवार को दाऊद इब्राहिम से संबंधित मुंबई के 9 और ठाणे के 1 ठिकाने पर छापेमारी की थी. इस छापेमारी में दाऊद इब्राहिम की बहन हसीना पारकर के घर भी चार घंटे तक छापेमारी चली थी. इकबाल कासकर और हसीना पारकर के बारे में यह माना जाता है कि 80 के दशक में दाऊद इब्राहिम के मुंबई से फरार होने के बाद ये दोनों उसके अंडरवर्ल्ड के धंधे को यहां से ऑपरेट करते रहे हैं. मंगलवार की छापेमारियों के दौरान ईडी के अधिकारी छोटा शकील के सहयोगी सलीम कुरैशी उर्फ सलीम फ्रूट को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की थी. छोटा शकील डी कंपनी का सबसे अहम सदस्य है.

- मनी लॉन्ड्रिंग समेत बड़े नेता के डी कंपनी कनेक्शन पर भी होगी पूछताछ

बताया जा रहा है कि ईडी मनी लॉन्ड्रिंग समेत महाराष्ट्र के दो बड़े नेताओं के डी कंपनी से कनेक्शन के बारे में भी जानने की कोशिश कर रही है. एनआईए से ईडी को मिली खुफिया जानकारियों के बाद ईडी मंगलवार से ही डी कंपनी से जुड़े लोगों के खिलाफ ऐक्टिव हो गई है. नेताओं के अलावा कुछ बड़े व्यापारियों पर भी यह शक है कि वे दाऊद इब्राहिम के अंडरवर्ल्ड के धंधे में साथ दे रहे हैं. इन्हीं वजहों से ईडी ने दाऊद इब्राहिम की बहन हसीना पारकर के घर समेत 10 ठिकानों पर छापेमारियां की थी और सलीम फ्रूट से पूछताछ शुरू की थी. दक्षिण मुंबई स्थित ईडी के कार्यालय में सलीम फ्रूट से कुछ दस्तावेज दिखाकर पूछताछ की जा रही है. इसी सिलसिले में शुक्रवार को इकबाल कासकर को भी ठाणे जेल से लाकर गिरफ्तार किया गया.

## भाजपा की नीतियों के आगे नहीं झुकने की वजह से लालू पर किए जा रहे हमले : प्रियंका

नई दिल्ली (ईएमएस)। हाल के दिनों में बिहार विधान परिषद के चुनाव को लेकर भले ही राजद और कांग्रेस के बीच तनातनी देखने को मिली हो, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व और राजद प्रमुख लालू प्रसाद बीच रिश्ते अब भी अच्छे हैं। यह बात हाल में ही तब सामने आई जब लालू प्रसाद को चारा घोटाला के एक मामले में दोषी करार दिया गया और कोर्ट ने उन्हें जेल भेजने का निर्देश दिया। इस पर प्रतिक्रिया करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि भाजपा की राजनीति के सामने नहीं झुकने के कारण बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर हमले किए जा रहे हैं।

ज्ञात हो लालू प्रसाद यादव को 21 फरवरी को सजा सुनाई जाएगी। इन सबके बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने लालू के समर्थन में एक ट्वीट किया है। प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा की राजनीति के सामने नहीं झुकने के कारण बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर हमला किया जा रहा है। इसके साथ ही कांग्रेस महासचिव ने उम्मीद जताई कि लालू प्रसाद को न्याय मिलेगा।

अपने ट्वीट में प्रियंका ने लिखा कि भाजपा की राजनीति का यह अहम पहलू है कि जो भी उनके सामने झुकता नहीं है, उसको हर तरह से प्रताड़ित किया जाता है। लालू प्रसाद यादव पर इसी राजनीति के चलते हमला किया जा रहा है। मुझे आशा है कि उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। आपको बता दें कि सीबीआई की विशेष अदालत ने सुबह डोरंडा कोषागार से 139.35 करोड़ रुपए की अवैध निकासी से जुड़े चारा घोटाले के सबसे बड़े मामले आरसी 47ए/96 में लालू प्रसाद यादव समेत 41 आरोपियों को मंगलवार को भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत दोषी करार देते हुए जेल भेजने का निर्देश दिया था तथा इनकी सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए अब 21 फरवरी की तिथि निर्धारित की है।

हालांकि, बिहार में राजद और कांग्रेस के बीच रिश्ते अच्छे नहीं है। 2021 में हुए विधानसभा के दो उपचुनाव के लिए दोनों दलों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई थी। कांग्रेस ने भी दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे और राजद ने भी। लेकिन जिस तरीके से प्रियंका गांधी ने लालू प्रसाद यादव को लेकर ट्वीट किया है उससे साफ जाहिर होता है कि फिलहाल राजद और कांग्रेस के बीच दूरियां ज्यादा नहीं बढ़ी हैं। दूसरी ओर लालू प्रसाद के छोटे पुत्र और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने जोर दिया कि उनके पिता जनता की अदालत में कभी दोषी नहीं थे। लालू प्रसाद के राजनीतिक उत्तराधिकारी के तौर पर देखे जा रहे तेजस्वी ने अदालत का फैसला आने के बाद संवाददाताओं से कहा कि उनके पिता को गरीबों का नेता होने के कारण निशाना बनाया जा रहा है।

## बिहार, यूपी और झारखंड में बारिश का अनुमान, सताएगी फिर से सर्दी

पटना (ईएमएस)। बिहारवासियों को फिर से सर्दी सताएगी। दरअसल बिहार के कुछ हिस्सों में अगले तीन दिन बारिश होने की संभावना है।बारिश के कारण तापमान में गिरावट होने से राज्य में ठंड बढ़ सकती है। प्रदेश में सर्द मौसम का असर मार्च के पहले हफ्ते तक बना रह सकता है।पटना के मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, 21 फरवरी को प्रदेश के दक्षिण पूर्व भाग के भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर, खगड़िया में हल्के से मध्यम स्तर के बारिश और बूंदाबांदी का पूर्वानुमान है।पटना सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों के न्यूनतम तापमान में आंशिक वृद्धि दर्ज की गई।वहीं पटना का न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।राज्य में सबसे अधिक तापमान शेखपुरा का 26.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।बिहार के साथ उत्तरप्रदेश और झारखंड में भी बारिश होने संभावना बनी हुई हैं।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार,यूपी में 22 फरवरी तक अलग-अलग जिलों में बादल छाने और बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने बताया के पश्चिमी विक्षोभ बन रहा है, इससे उत्तर प्रदेश के अलावा बिहार और झारखंड में भी दिखेगा। मौसम विभाग के मुताबिक 19 और 20 फरवरी को हरियाणा, दिल्ली में तेज हवाएं चल सकती हैं।जिसकी रफ्तार 25-35 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश और कश्मीर के कुछ इलाकों में भी बारिश हो सकती है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि दक्षिणी प्रायद्वीप और अंडमान निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने बताया कि पूरे देश में न्यूनतम तापमान में वृद्धि होने का अनुमान है। आईएमडी ने अगले दो सप्ताह के लिए अपने पूर्वानुमान में कहा कि सप्ताह के अधिकतर दिनों में देश के शेष हिस्सों में मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। विभाग ने कहा कि 24 फरवरी से दो मार्च के बीच देश के ज्यादातर हिस्सों में न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि होने का अनुमान है। मौसम कार्यालय ने कहा कि विभिन्न मानदंडों से संकेत मिलता है कि आगामी दो सप्ताह के दौरान उत्तर हिंद महासागर में चक्रवात की कोई आशंका नहीं है।

## अभिषेक बनर्जी की पार्टी में नंबर दो की हैसियत बरकरार - ममता झंडी

कोलकाता (ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी की पार्टी में नंबर दो की हैसियत बरकरार रखी है। ममता ने पार्टी के आंतरिक संगठन में फेरबदल का पिछले हफ्ते संकेत दिया था। पार्ट में गुटबाजी के संकेतों के बाद बंगाल की मुख्यमंत्री ने ये फैसला लिया था।

अभिषेक बनर्जी को दोबारा टीएमसी का महासचिव बनाया गया है। ममता बनर्जी ने शुक्रवार को तृणमूल की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक की अध्यक्षता की। यह टीएमसी की शीर्ष निर्णय लेने वाली इकाई है। ये बैठक ममता बनर्जी के कोलकाता स्थित आवास पर हुई।

ममता बनर्जी की पार्टी ने हाल ही में निकाय चुनाव में शानदार सफलता हासिल करते हुए चारों बड़े शहरों में जीत हासिल की है। अभिषेक बनर्जी पर मुहर लगाने के साथ तृणमूल सुप्रीमो ने पूर्वोत्तर में पार्टी की इकाई की जिम्मेदारी कांग्रेस से टीएमसी में आई सुष्मिता देव और मुकुल संगमा को सौंपी है। वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा को उपाध्यक्ष बनयाा गया है। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुब्रत बख्शी और चंद्रिमा भट्टाचार्य पहले ही इस पद पर हैं। बंगाल सरकार में मंत्री अरूप बिस्वास को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। कोलकाता मेयर फिरहाद हकीम को संयोजन प्रभारी नियुक्त किया गया है।

कमेटी के सदस्यों में पिछले हफ्ते फेरबदल किया गया था, जब अभिषेक बनर्जी के समर्थक और अन्य नेताओं के बीच अंतर्विरोध सामने आए थे। पुराने नेताओं और युवा नेताओं के बीच बढ़ती आंतरिक कलह के बीच बनर्जी ने पिछले हफ्ते तत्कालीन राष्ट्रीय पदाधिकारी समिति और इसके तहत आने वाले विभागों को भंग कर दिया था। इसके बाद उन्होंने पार्टी के दिग्गजों से भरी इस 20 सदस्यीय कार्यसमिति का गठन किया।

## लश्कर ए तैयबा को कथित तौर पर सूचनाएं लीक करने के आरोप में एनआईए का पूर्व अफसर गिरफ्तार

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी ने आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा को कथित तौर पर सूचनाएं लीक करने के आरोप में एनआईए के पूर्व अफसर को गिरफ्तार किया है। एक पूर्व आईपीएस अफसर ने संवेदनशील जानकारी पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा को दी थीं। पूर्व सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस एडी नेगी एनआईए में जांच अधिकारी के तौर पर काम कर चुके हैं। उन पर लश्कर ए तैयबा के ग्राउंडवर्करों को जम्मू-कश्मीर में संवेदनशील जानकारी मुहैया कराने का आरोप लगा है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने ये जानकारी दी है। ये अफसर एनआईए में डेपुटेशन पर था।

खबरों के मुताबिक, यह अफसर मौजूदा समय में शिमला में एसपी के पद पर तैनात है। एनआईए ने छापेमारी के दौरान हिमाचल प्रदेश में उसका घर भी सील कर दिया था। छापेमारी के दौरान यह पता चला कि आनेपी अफसर संवेदनशील जानकारियां आतंकी संगठन को मुहैया करा रहा था। लश्कर ए तैयबा पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन है, जिसका मुखिया हाफिज सईद है। लश्कर ए तैयबा वर्ष 2008 में मुंबई में हुए हमले का साजिशकर्ता है।

## रूस कल से शुरू करेगा अपने परमाणु बल का अभ्यास, पुतिन सिचुएशन रूम में बैठकर देखेंगे मिसाइल फायर

मास्को। यूक्रेन मसले पर तनाव हर क्षण बढ़ रहा है। रूस ने शुक्रवार को अपने रणनीतिक परमाणु बल के बड़े अभ्यास की घोषणा की। शनिवार को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन खुद जाकर इस अभ्यास को देखेंगे। इस अभ्यास में अंतर महाद्वीपीय बैलेस्टिक मिसाइलों और क्रूज मिसाइलों को चलाकर देखा जाएगा।

रूस ने यह घोषणा परमाणु हथियारों के संचालन से संबंधित सैन्य अमले को सक्रिय करने के करीब दो हफ्ते बाद की है। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार यूक्रेन युद्ध में परमाणु हथियार का इस्तेमाल होने की आशंका नहीं है। लेकिन इसमें अमेरिका और यूरोप के हस्तक्षेप को रोकने के लिए रूस अपने परमाणु जखीरे को सक्रिय कर रहा है। रूसी राष्ट्रपति के क्रेमलिन कार्यालय के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने बताया है कि राष्ट्रपति पुतिन रक्षा मंत्रालय के सिचुएशन रूम से रणनीतिक परमाणु बल के अभ्यास को देखेंगे। इस दौरान मिसाइल भी छोड़ी जाएंगी। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह देश की परमाणु क्षमता की तैयारी को परखने का अभ्यास है।

विदित हो कि अमेरिका और नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) द्वारा रूस के सुरक्षा प्रस्ताव को नकार दिए जाने से क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है और यूक्रेन पर रूसी हमले का खतरा पैदा हुआ है। इस सुरक्षा प्रस्ताव में रूस ने यूक्रेन को नाटो में शामिल न किए जाने का आश्वासन मांगा था और पूर्वी व मध्य यूरोप से नाटो की मिसाइलें हटाए जाने की मांग की थी।

## भारत 8 रन से जीत के साथ सीरीज जीती, पाक का रिकार्ड तोड़ा

कोलकाता (ईएमएस)। भारत ने तीन 20 - 20 मैच की श्रृंखला के दूसरे टी-20 मैच में टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को 8 रन से हराकर श्रृंखला पर कब्जा किया। विंडीज के सामने 187 रन का टारगेट था, लेकिन टीम 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 178 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई। जीत के साथ ही टीम इंडिया ने टी-20 सीरीज पर भी कब्जा जमा लिया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत ने लगातार चौथी टी-20 सीरीज जीती। टारगेट का पीछा करते हुए ब्रैंडन किंग और काइल मेयर्स ने पहले विकेट के लिए 31 गेंदों पर 34 रन जोड़े। इस पार्टनरशिप को युजवेंद्र चहल ने मेयर्स (9) को आउट कर तोड़ा। रवि बिश्नोई ने ब्रैंडन (22) को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। ब्रैंडन किंग का कैच लॉन्ग ऑन पर सूर्यकुमार यादव ने पकड़ा।

इसके बाद तीसरे विकेट के लिए टीम इंडिया को काफी इंतजार करना पड़ा। निकोलस पूरन और रोवमैन पॉवेल ने 60 गेंदों पर 100 रन जोड़े। इस पार्टनरशिप को भुवनेश्वर कुमार ने पूरन (62) को आउट कर तोड़ा।

इससे पहले ऋषभ पंत के नाबाद 52, विराट कोहली जे 52 और वेंकटेश अय्यर ने 33 रन की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 186 रन बनाए।

पंत और वेंकटेश ने पांचवें विकेट की साझेदारी में 35 गेंदों में 76 रन जोड़े। भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है।

वेस्टइंडीज के लिए रोस्टन चेज ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। चेज ने रोहित शर्मा (19), सूर्यकुमार यादव (8) और विराट कोहली (52) के विकेट लिए। ईशान किशन 10 गेंदों पर 2 रन बनाकर शेल्डन कॉट्रेल का शिकार बने। रोहित शर्मा को पारी के चौथे ओवर में जीवनदार भी मिला था। लेकिन वे इसका खास फायदा नहीं उठा पाए।

### कार्टून कोना




## भारतीय दूतावास ने शशि थरूर को पाकिस्तानी के भारत विरोधी ट्वीट को रीट्वीट करने पर फटकार लगाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। कुवैत में भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को कांग्रेस सांसद शशि थरूर को एक पाकिस्तानी एजेंट द्वारा भारत विरोधी ट्वीट को रीट्वीट करने के लिए फटकार लगाई और कहा कि ऐसे भारत विरोधी तत्वों को प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। कुवैत में भारतीय दूतावास की तीखी प्रतिक्रिया थरूर द्वारा एक ट्वीट को रीट्वीट करने के बाद आई, जिसमें दावा किया गया था कि शक्तिशाली कुवैती सांसदों के एक समूह ने कुवैत की सरकार से भारत के सत्तारूढ़ भाजपा के किसी भी सदस्य के कुवैत में प्रवेश पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

ट्वीट में आगे कहा गया है, हम मुस्लिम लड़कियों को सार्वजनिक रूप से प्रताड़ित होते हुए नहीं देख सकते। उम्मा के एकजुट होने का समय। ट्वीट का जिक्र करते हुए थरूर ने ट्विटर पर कहा, घरेलू कार्रवाइयों का अंतरराष्ट्रीय असर होता है। मैं भारत में बढ़ते इस्लामोफोबिया और पीएम द्वारा इसकी निंदा करने की अनिच्छा के बारे में खाड़ी के दोस्तों से सुनता हूं, इसके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की तो बात ही छोड़ दें। हमें पसंद है भारत। लेकिन हमारे लिए अपने दोस्त बनना इतना कठिन मत बनाओ।

कुवैत में भारतीय दूतावास ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से थरूर पर निशाना साधते हुए कहा, भारतीय संसद के एक माननीय सदस्य को एक पाकिस्तानी एजेंट द्वारा भारत विरोधी ट्वीट को रीट्वीट करते हुए देखकर दुख हुआ, जिसे उसकी भारत विरोधी गतिविधियों के लिए पाकिस्तानी 'शांति का राजदूत' पुरस्कार मिला था। हमें ऐसे भारत विरोधी तत्वों को प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने भी भारतीय दूतावास के ट्वीट को रीट्वीट किया। असत्यापित ट्विटर हैंडल से कुछ पोस्ट में यह भी दावा किया गया कि कुवैत में भारतीय दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया गया। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कर्नाटक में चल रहे ड्रेस कोड विवाद पर कुछ देशों की आलोचना पर अपना रुख दोहराया और कहा कि आंतरिक मुद्दों पर बाहरी लोगों की टिप्पणी स्वीकार्य नहीं होगी।

## नेवी के युद्धपोत से ब्रह्मोस मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस विशाखापटनम से शुक्रवार को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया गया।डीआरडीओ ने बताया कि ब्रह्मोस के नेवी वैरिएंट का ये परीक्षण पश्चिमी समुद्र तट के नजदीक किया।इस दौरान मिसाइल अपने लक्ष्य को भेदने में कामयाब रही। आईएनएस विशाखापटनम को हाल ही में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है। यह चुपके से मिसाइलों को चकमा देकर नष्ट करने की क्षमता से लैस है। वहीं ब्रह्मोस भारतीय सेना के मुख्य हथियारों में से एक है। ब्रह्मोस की एंटी शिप, लैंड अटैक और हवा से मार करने वाली मिसाइलों को नेवी, आर्मी और एयरफोर्स पहले से ही इस्तेमाल कर रही है।इन दिनों ब्रह्मोस की पानी के अंदर मार करने वाली मिसाइल के परीक्षण का काम चल रहा है।इस न सिर्फ भारत में पनडुब्बियों पर लगाने की योजना है,बल्कि अन्य देशों को निर्यात किया जाएगा। समुद्र से छोड़ी जाने वाली ये मिसाइल जहाजों को निशाना बनाने में सक्षम हैं ही, धरती पर भी दुश्मन के ठिकानों को तबाह कर सकती है।

ब्रह्मोस को तैयार करने का काम भारत-रूस के वैज्ञानिक मिलकर कर रहे हैं।ब्रह्मोस मिसाइलें 2.8 मैक यानी आवाज की गति से लगभग तीन गुना रफ्तार से उड़कर दुश्मन के ठिकानों तबाह करने की क्षमता रखती हैं। इतनी रफ्तार होने के कारण इस पकड़ना भी मुश्किल होता है। पिछले महीने ब्रह्मोस के एडवांस वर्जन का परीक्षण किया गया था, जिसे पनडुब्बी, जहाज, विमान और जमीन कहीं से भी छोड़ा जा सकता है।ब्रह्मोस के परीक्षण के बाद आईएनएस विशाखापत्तनम अब राष्ट्रपति के फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लेने के लिए पहुंचा गया है। यह रिव्यू विशाखापत्तनम में 21 फरवरी को होगा। इसका आयोजन नौसेना द्वारा भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में किया जाएगा।

## जन हितैषी

# भारतीयों की सुरक्षा

यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों की तरफ से फ्लाइट्स नहीं मिलने को लेकर की जा रही शिकायत के बाद सरकार एक्टिव हो गई है। सरकार ने कोरोना वायरस के कारण एयर बबल एग्रीमेंट के तहत यूक्रेन आने-जाने के लिए सीमित फ्लाइट्स संचालित करने का प्रतिबंध हटा लिया है। इंडियन एविएशन मिनिस्ट्री ने कहा कि अब यूक्रेन के लिए एयरलाइंस कितनी भी फ्लाइट्स संचालित कर सकती हैं। साथ ही स्पेशल चार्टर्ड फ्लाइट्स भी ऑपरेट की जा सकती हैं। इससे पहले छात्रों की गुहार सुनते हुए केंद्र सरकार ने बुधवार को ही भारतीय विदेश मंत्रालय के साथ ही यूक्रेन में मौजूद भारतीय दूतावास में भी स्पेशल कंट्रोल रूम बना दिए थे, जो यूक्रेन में मौजूद भारतीय नागरिकों की हर समस्या सुलझाने में मदद कर रहे हैं। यूक्रेन मसले को लेकर यूरोप में लगातार बेचैनी बढ़ती जा रही है। यूरोपीय यूनियन ने यूक्रेन स्थित दूतावास के गैर जरूरी कर्मचारियों को वापस देश लौटने के लिए कहा है। इटली के विदेश मंत्रालय ने अस्थायी तौर पर अपने नागरिकों को यूक्रेन छोड़ने के लिए कहा है। इसके अलावा डोनेट्सक, लुहान्सक और क्रीमिया क्षेत्र की यात्रा ना करने की सलाह भी दी है। तुर्की ने जरूरी ना होने पर नागरिकों को पूर्वी यूक्रेन ना जाने की सलाह दी है। नीदरलैंड्स और एस्टोनिया ने अपने नागरिकों को जल्द से जल्द यूक्रेन छोड़ने की सलाह दी है। आयरलैंड ने दूतावास के कर्मचारियों में कमी की है। विभिन्न देशों के यह अलर्ट बता रहे हैं कि रूस और यूक्रेन में तनाव कम होने की खबरें अभी पुख्ता नहीं हैं और कभी भी युद्ध भड़क सकता है। इस परिस्थिति में केंद्र सरकार का विमानों की आवाजाही पर लगा प्रतिबंध हटाना सही फैसला है। देखा जाए तो यूक्रेन में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा गंभीर चिंता का विषय बन गई है। चिंता इसलिए भी बढ़ गई क्योंकि यूक्रेन की राजधानी कीव में भारतीय दूतावास ने इस संकटग्रस्त देश में रह रहे सभी भारतीय नागरिकों, खासतौर से छात्रों को वहां से चले जाने का परामर्श जारी कर दिया था। जाहिर है, भारतीय दूतावास हालात की गंभीरता को समझ रहा है। उसे भी लग रहा है कि अगर रूस और यूक्रेन के बीच जंग छिड़ गई तो भारतीय नागरिकों को वहां से सुरक्षित निकाल पाना आसान नहीं होगा। दूतावास की सलाह से साफ है कि जब तक हालात शांत नहीं हो जाते, तब तक वहां रहना जान को जोखिम में डालना है। हालांकि स्थितियां तो पहले से संकेत दे रही हैं कि यूक्रेन के लिए आने वाले दिन मुश्किल भरे होंगे। ऐसे में भारत सरकार की अपने नागरिकों को वहां से निकालने की पहल बिल्कुल सही समय पर की गई है। इससे भारत में अपने लोगों के लिए चिंतित लोगों को भी राहत मिलेगी। हालांकि ऐसे ही मुश्किल हालात में भारत ने पहले भी अपने लोगों को बचाया है। कुछ महीने पहले तालिबान के सत्ता हथियाने के बाद अफगानिस्तान में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकाला गया था। इराक में इस्लामिक स्टेट के हमलों के बाद वहां से भारतीय नागरिकों को बचाया गया था। तीन दशक पहले जब इराक ने कुवैत पर हमला कर दिया था, तब भी वहां फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया था। इसमें कोई संदेह नहीं कि संकटग्रस्त हालात में दूसरे देशों में फंसे अपने नागरिकों को बचाने में भारत सरकार के पास खासा तजुर्बा और संसाधन हैं। यूक्रेन में 18 हजार से ज्यादा भारतीय छात्र हैं। वहां रह रहे भारतीय नागरिकों की संख्या भी कम नहीं है।

# बेहद अलग से दिख रहे हैं 5 राज्यों के चुनाव

(प्रसंगवश)

क्या पाँच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव वाकई देश की राजनीति में नया प्रयोग का रास्ता बनने जा रहे हैं। यूँ तो अब तक इस मिथक को तोड़ नहीं जा सका है कि दिल्ली की सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से ही होकर गुजरता है। काफी हद तक सही भी है। उत्तर प्रदेश के उत्तराखण्ड में बँट जाने के बाद भी हैसियत में किसी प्रकार की कोई कमीं नहीं आई। लेकिन राजनीतिक दलों के बनते, बिगड़ते समीकरणों से नया कुछ होने के आसार से इंकार नहीं किया जा सकता है। यह तो सही है कि जीतेगा तो लोकतंत्र लेकिन सत्ता की कुर्सी पर उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में ऊँट किस करवट बैठेगा कहना मुश्किल जरूर है।

देश की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाने वाले अकेले उत्तर प्रदेश की हैसियत 10 मार्च को किस मोड़ पर होगी, अभी कयास ही हैं। पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के हालात काफी अलग हैं। सीधी टक्कर सत्ताधारी भाजपा व सहयोगियों तथा सपा व सहयोगियों के बीच है। बसपा और काँग्रेस मैदान में जरूर हैं पर रेस में दिखते नहीं। 2017 की तरह इस बार किसी लहर का कहर न होने से बाँकी दलों की आस बची हुई है। हाँ, इस बात से इंकार नहीं कि चुनावी नतीजे 2017 से इतर होंगे। उत्तर प्रदेश की सियासत का एक अलग मिजाज है। राजनीतिक दल उम्मीदवारों को स्थानीय उम्मीदों व जातीय आधार पर तय करते हैं। अगड़े-पिछड़े और दलित मतदाताओं की भूमिका की छाप सबसे ज्यादा यहीं दिखती है। वोट कटवा, बी पार्टी, डमी कैण्डिडेट और धार्मिक मुद्दों पर जैसी संवेदनशीलता उत्तर प्रदेश में दिखा करती है, वैसी दूसरे राज्य में उतनी नहीं। इस कारण भी इस बार के चुनाव काफी अलग हैं। इस बात को भी ध्यान में रखना होगा कि अयोध्या विवाद निपटारे के बाद, तेजी से बन रहे राम मंदिर और राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का वादा कि साल 2023 में गर्भ गृह में रामलला को विराजमान होंगे चुनाव में असर डालेगा। हिजाब का मसला भी ऐन चुनावों के वक्त भले ही सोची समझी चाल या महज इत्तेफाक हो लेकिन अलग ढ़ंग से भंजाने की कोशिशें होंगी। उत्तर प्रदेश के पहले चरण और दूसरे चरण के मतदान के बाद राजनीतिक दलों के दावे कुछ भी हों लेकिन नतीजों का पिटारा खुलने के बाद ही समझ आएगा कि उत्तर प्रदेश का देश की राजनीतिक धारा मे कैसा दबदबा बना।

उत्तराखण्ड की सभी 70 व गोवा की 40 सीटों के चुनाव भी 14 फरवरी को निपट जाएंगे। यहाँ चुनाव से ठीक पहले यहाँ भी हिजाब विवाद के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का वादा कि भाजपा सरकार बनी तो शपथ ग्रहण के तुरंत बाद यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू कराने खातिर ड्राफ्ट कमेटी बनेगी जिसके दायरे में विवाह, तलाक, जमीन जायदाद व उत्तराधिकार के मामले भी शामिल होंगे, बड़ा राजनीतिक पैंतरा माना जा रहा है। भाजपा ने उत्तराखण्ड में बड़े-बड़े प्रयोग करते हुए चार साल के कार्यकाल में तीन मुख्यमंत्रियों बदले। धामी उनमें सबसे नए हैं। यहाँ आम आदमी पार्टी मुफ्त बिजली और दिल्ली पैटर्न का प्रचार कर अपनी जड़ें जमाने तो काँग्रेस साख बचाने के लिए संघर्षशील दिखी। लेकिन सत्ता के संघर्ष को लेकर ज्यादा कुछ बदले ऐसा लगता नहीं।

सुन्दर समुद्र तटों और एक अलग तरह के खुलेपन के लिए मशहूर गोवा में भाजपा के लिए चुनौती पेश करने की कोशिशें कितनी सफल या विफल होती हैं, नतीजे बताएंगे। लेकिन हाँ इतना जरूर है कि मनोहर पर्रिकर जैसे ईमानदार नेता की कमीं जरूर गोवा वासियों को टीसती रही। पहली बार टीएमसी की धमाकेदार एँट्री से राजनीतिक समीकरण शुरू में जरूर बदलते दिखे। लेकिन जल्द ही कइयों की रुखसती से बड़े करिश्मे की उम्मीद बेकार है। आम आदमी पार्टी भी यहाँ पूरी दमखम से चुनावी मैदान में दिखी जिसका फायदा तय है। लेकिन शिवसेना की गोवा में एँट्री और 10 सीटों पर उम्मीदवारी से सत्ता तक पहुँचने वालों को कितनी मशक्कत करनी पड़ेगी यह वक्त बताएगा। मनोहर पर्रिकर के बेटे उत्पल के निर्दलीय चुनाव लड़ने के बाद पणजी सीट से शिवसेना ने उम्मीदवार वापस कर भविष्य के बड़े संकेत जरूर दे दिए हैं। काँग्रेस कहाँ होगी? क्या इस बार सत्ता तक पहुँच पाएगी, इस पर संदेह सभी को है। हाँ आत्मविश्वास से लबरेज अरविन्द केजरीवाल यहाँ भी दिल्ली सरकार का उदाहरण और सरकारी सेवाओं की डोरस्टेप डिलीवरी से भृष्टाचार के पूरी तरह खात्मे का भरोसा दिलाकर 24 घंटे फ्री बिजली देने का चुनावी वायदा कितना दमदार रहा यह मतपेटियों के खुलने के बाद दिखेगा।

इस बार पंजाब की राजनीति एक त्रिकोण में जरूर फंसी दिखी। कैप्टेन अमरिंदर की काँग्रेस से विदाई और भाजपा से दोस्ती तो सिध्दू के अलग-अलग तेवरों बीच ऐन चुनाव से ठीक पहले दलित कार्ड खेलकर नए मुख्यमंत्री चन्नी को फिर से मुख्यमंत्री का चेहरा प्रोजेक्ट करना पंजाब की राजनीतिक हवा का कितना रुख बदल पाएगा नहीं पता। वहीं आम आदमी पार्टी का भी भगवन्त मान को मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट कर मतदाताओं को लुभाना राजनीति में नया प्रयोग जरूर है। लेकिन लोकतंत्र से इतर है क्योंकि विधायकों के बने बिना ही हक छीनना बेजा लगता है। भाजपा और अकाली दल आज भले ही एक दूसरे के प्रतिद्वन्दी हों लेकिन दखल और धमक की अनदेखी करना बड़ी भूल होगी। पंजाब में सरकार किसी एक दल की होगी या फिर चुनावों के वक्त के बाद कट्टर विरोधी मिल जुलकर सत्ता में बैठेंगे देखने लायक होगा। लजीज पंजाबी डिशेज, मशहूर लस्सी के बीच ड्रग्स की सियासत से पंजाब की अलग बनती छवि का असर चुनावों पर असर दिख रहा है।

मणिपुर की 60 सीटों पर दो चरणों में 28 फरवरी और 5 मार्च को चुनाव होंगे। मणिपुर हिन्दू बहुल राज्य है और आखीर में चुनाव है। सो देश के नामी गिरामी चेहरों की शिरकत तय है। 28 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी होने के बाद काँग्रेस सत्ता से दूर रह गई। जबकि 21 सीटें जीत भाजपा ने स्थानीय दलों व विधायकों से गठजोड़ कर सत्ता हासिल कर ली। इस बार भाजपा गठबंधन की खास सहयोगी नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) की बगावत कितनी असरकारक होगी यह नतीजे बताएंगे लेकिन भाजपा के 19 असंतुष्टों को टिकट देकर चुनाव को रोचक जरूर बना दिया है। जबकि काँग्रेस ने सेक्युलर दलों को साथ लेकर नई रणनीति बनाई है। बीते चुनाव में केवल 3 विधायक कम होने के बावजूद फौरन निर्णय में विफल काँग्रेस से 10 सीटें पीछे रहने वाली भाजपा सरकार बना ले गई। क्या इस बार भी ऐसा ही कुछ कुछ या नया दिलचस्प होगा। क्षेत्रीय राजनीतिक दलों नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी), नागा पीपुल्स फ्रण्ट (एनपीएस) के साथ ही वामपंथी खेमा भी पूरी तरह लामबन्द है जिससे चुनाव का एक अलग ही माजरा नजर आता है। हाँ इतना जरूर है कि यहाँ की राजनीतिक सोच अनप्रिडेक्टिबल यानी अप्रत्याशित होती है। क्या इस बार भी होगी?

तो क्या माना जाए कि पाँच राज्य मिलकर देश में 2024 में बनने वाली नई सरकार की तकदीर की तदबीर लिखेंगे या फिर अकेले उत्तर प्रदेश से ही यह रास्ता हमेशा की तरह निकलेगा? इंतजार है 10 मार्च का, नतीजे कुछ भी हों अगले आम चुनावों के लिए जहाँ ये लिटमस टेस्ट तो होंगे ही वहीं मुमकिन है कि राजनीति की नई इबारत भी बनें। (लेखक-ऋतुपर्ण दवे / ईएमएस)

# सऊदी अरब ने सूखे में जिंदा रहने वाले सक्सॉल पेड़ों से बनाया क्लाइमेट डिफेंस सिस्टम

- सक्सॉल पेड़ों की ?विशेषताएं: पानी की जरूरत बहुत कम होती है, अधिकतम 58 डिसे तक का तापमान भी सह सकता है

रियाद (ईएमएस)। सऊदी अरब में सूखा बहुत ज्यादा पड़ता है। चारों तरफ ज्यादातर रेगिस्तान ही है। मध्यपूर्व में सूखे की दिक्कत बहुत ज्यादा है। वहां पर पेड़-पौधे ज्यादा नहीं है, लेकिन सऊदी के पर्यावरण कार्यकर्ता अब्दुल्लाह अब्दुलजबार ने रेगिस्तान को छांव में बदलने का नायाब तरीका खोजा है। अब्दुल्लाह कहते हैं कि यह गर्मी रोकने का तरीका है। इन पेड़ों से हमें एक तरह के क्लाइमेट चेंज से सुरक्षा मिलेगी। इन्हें सक्सॉल पेड़ कहते हैं। अब्दुल्लाह सक्सॉल पेड़ को बड़े पैमाने पर कासिम इलाके में लगा रहे हैं। इन पेड़ों को अरबी भाषा में अल-गाधा कहते हैं। इन पेड़ों से जलाने के लिए लकड़ी, मवेशियों का चारा मिलता है। इसके अलावा रेगिस्तान की गर्मी से राहत भी। ये पेड़ लाखों-करोड़ों साल से इस रेगिस्तानी इलाको में पनप रहे हैं, लेकिन इन पर किसी का ध्यान नहीं गया। हम इन्हें चारों तरफ फैलाने का काम कर रहे हैं। अब्दुल्लाह अब्दुलजबार का कहना है ?कि इन पेड़ों को लगाने का एक बड़ा फायदा ये है कि इनकी जड़ें रेगिस्तान को बांध कर रखते हैं, ताकि रेतीले तूफान में रेत ज्यादा न उड़े। अब्दुल्लाह अल-गाधा एनवायरमेंटल एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट हैं। उनके संस्थान की योजना है कि वो मध्य कासिम इलाके में इस साल वो 2.50 लाख सक्सॉल पेड़ लगाएंगे।

सक्सॉल पेड़ के कासिम इलाके के उनाइजाह नाम की जगह के लोगों के जीवन में शामिल हैं। वहां के लोगों को इस पेड़ के फायदे पता है। सऊदी सरकार भी चाहती है कि ऐसे पेड़ों को रेगिस्तान में लगाया जाए, जो वहां जीवित रह सकें और कार्बन उत्सर्जन की मात्रा को कम कर सके। प्रदूषण घटा सकें, रेतीले तूफानों और मिट्टी खराब होने से रोक सकें। कासिम के शासकों का कहना है कि वो अगले एक दशक में अपने पूरे इलाके में 1000 करोड़ सक्सॉल पेड़ लगाएंगे। इस योजना को पिछले साल सऊदी शासक क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने स्वीकृत किया था। इसके अलावा अन्य अरब और मध्य पूर्व देशों में भी 4000 करोड़ सक्सॉल पेड़ लगाने की योजना है। इससे पूरे इलाके में क्लाइमेट चेंज का असर कम होगा। बहुत से मध्य पूर्व के देश अक्सर सूखे का सामना करते हैं। ज्यादा तापमान बर्दाश्त करना पड़ता है। जिसकी वजह से पानी की किल्लत, सिंचाई की कमी और उसके खाद्य पदार्थों की कमी का संकट हो जाता है। सक्सॉल पेड़ की खासियत यह है कि यह कई महीनों तक बिना पानी की एक बूंद के जीवित रह सकता है। यह अधिकतम 58 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान सह सकता है। खाड़ी का इलाका धरती पर सबसे गर्म इलाका माना जाता है।

पिछले साल ही उनाइजाह पार्क को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने दुनिया का सबसे बड़ा सक्सॉल पेड़ बॉटेनिकल गार्डन का दर्जा दिया था। यह पार्क 172 वर्ग किलोमीटर में फैला है। इस पार्क में आप जहां भी नजर दौड़ाएंगे आपको गोल्डेन रेत के ऊपर ये हरे-भरे पेड़ दिखाई देंगे। वैसे दिखने में बड़ी झाड़ियों जैसे दिखते हैं लेकिन इन्हें वैज्ञानिक भाषा में भी पेड़ का ही दर्जा प्राप्त है। अल-गाधा एनवायरमेंटल एसोसिएशन के प्रेसिडेंट माजेद अल्सोलेम का कहना है कि सक्सॉल पेड़ में बड़ी खासियतें हैं। इसे पानी की जरूरत बहुत कम होती है। यह महीनों तक बिना पानी के जीवित रह सकता है। इसलिए उनाइजाह के लोग इस पेड़ का पूरा ख्याल रखते हैं। यह इस इलाके का पर्यावरणीय प्रतीक है।

# शीर्षक देने के लिए आप स्वतंत्र हैं

जो व्यक्ति अपने द्वारा की जाने वाली गलतियों से सबक नहीं लेता, वह एक न एक दिन सफलता की सीढ़ियों से चूक जाता है। वर्तमान में ऐसा लगने लगा है कि देश की राजनीति इसी दिशा की ओर आगे बढ़ रही है। राजनीतिक दल कोई भी हो, सबके चिंतन में यही दिखाई देता है कि उनका स्वयं का राजनीतिक अस्तित्व कैसे बचा रह सके। इसके लिए राजनीतिक दल सही बात को भी गलत ठहराने के लिए चिंतन मनन करते दिखाई देते हैं। एक समय भ्रष्टाचार के बारे में यह आम धारणा बन चुकी थी कि अब राजनीतिक स्तर पर होने वाले भ्रष्टाचार को कोई रोक नहीं सकता। लेकिन अब धारणा बदली है। उत्तरप्रदेश में आज विपक्ष के पास यह कहने का नैतिक साहस दिखाई नहीं देता कि वह प्रदेश में गुंडागर्दी और अपराध को जड़ से समाप्त करेंगे, क्योंकि उन्होंने ऐसे कई लोगों को टिकट दिया है, जो इसी श्रेणी में आते हैं। ऐसे में वह किस मुंह से अपराध को समाप्त करने की बात कर सकते हैं। जबकि भाजपा की ओर से यह कहा ही नहीं जा रहा, बल्कि करके भी दिखाया है कि भाजपा अपराध को जड़ से समाप्त करने की दिशा में कार्य कर रही है। यही कारण है कि आज कोई भी भ्रष्ट अधिकारी उत्तरप्रदेश में मुख्यमंत्री कार्यालय में कदम रखने का साहस नहीं कर सकता। ऐसी राजनीति देश के लिए बहुत जरूरी है।

सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के बारे में अध्ययन किया जाए तो स्वाभाविक तौर पर यही लगता है कि कांग्रेस जिन गलतियों के कारण अपने पराभव को प्राप्त हुई है, वह उसकी स्वयं की देन है, लेकिन ऐसा लगता है कि कांग्रेस को अपनी उन गलतियों का आभास ही नहीं है, जो उसने की हैं। कांग्रेस के नेताओं को आज भी यही लगता है कि केवल वही सही है, बाकी सब गलत। इस प्रकार का चिंतन हमेशा आत्मघाती ही होता है, जिसका दंश कांग्रेस को भुगतना पड़ रहा है। आज कांग्रेस की स्थिति ऐसी है कि वह देश के कई राज्यों में स्वयं बल पर खड़ी भी नहीं हो सकती। उसे किसी न किसी सहारे की तलाश रहती है। उत्तरप्रदेश में पिछले विधानसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करने वाली कांग्रेस को इस बार किसी ने भी भाव नहीं दिया। इसके पीछे कारण यही है कि कांग्रेस के नेताओं की मानसिकता आज भी वैसी ही है, जैसी एक शासक की होती है। उसे लगता है कि सब उसके पीछे खड़े हों, लेकिन यह बड़ा सच है कि कांग्रेस की स्थिति अब वैसी नहीं रही कि सब उसके पीछे खड़े हो जाएं।

ऐसी मानसिकता के चलते किसी को भी अपनी कमजोरियों का भान नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस के बारे में राज्यसभा में जो कुछ भी व्यक्त किया है, वह प्रमाणित रूप से सच है, लेकिन सच को स्वीकार करने का नैतिक साहस कांग्रेस के पास नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अगर देश में कांग्रेस न होती तो कश्मीर से हिन्दुओं को पलायन नहीं करना पड़ता। यह सच भी है, क्योंकि कांग्रेस की नीतियों के कारण ही जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी ताकतों को बल मिला, उनको सरकारी सुविधाएं दी गईं। इतना ही नहीं सेना को भी पर्याप्त अधिकार नहीं दिए गए, इसी कारण पाकिस्तान और चीन से लगने वाली सीमाएं बहुत हद तक असुरक्षा के घेरे में थी। जहां तक राजनीति में वंशवाद की बात है तो यह कांग्रेस को स्वीकार करने का साहस दिखाना ही चाहिए कि इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, संजय गांधी, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अब प्रियंका गांधी केवल विरासत के आधार पर ही नेता बनी हैं। इसके अलावा उनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है। इस परिवार के अलावा जो भी नेता कांग्रेस की कमान संभालने की स्थिति में आया, उसको न तो पर्याप्त सम्मान दिया गया और न ही उनकी मृत्यु के बाद सम्मान दिया गया।

पहले की सरकारों के पर भ्रष्टाचार के आरोप लगना एक सामान्य सी बात हो गई थी, लेकिन अब मोदी सरकार के बारे में कोई भी राजनीतिक दल कम से कम भ्रष्टाचार के आरोप लगाने का साहस नहीं कर सकता। एक बार राहुल गांधी ने चौकीदार चोर है कहकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सीधा हमला किया था। हालांकि इस अप्रमाणित आरोप के चलते राहुल गांधी को सार्वजनिक तौर पर माफी भी मांगनी पड़ी थी, इसके बाद भी कांग्रेस ने इस प्रकार की भाषा बोलने से परहेज नहीं किया। कांग्रेस के नेता प्रधानमंत्री के बारे में आज भी उसी प्रकार की भाषा का प्रयोग करते दिखते हैं। आज की राजनीति की सबसे बड़ी विडम्बना यही है कि हम केवल राजनीति दृष्टि से सारी चीजों का आंकलन करते हैं, जबकि रचनात्मक और सकारात्मक राजनीति यही कहती है कि देश हित में किए जाने वाले कार्यों का समर्थन हर राजनीतिक दल को करना चाहिए। लेकिन ऐसा दिखाई नहीं देता। इसी कारण आज यही कहा जा रहा है कि देश में पहले सत्ता विरोधी लहर चलती थी, आज उसकी दिशा बदली है और विपक्ष के विरोध में लहर चलती हुई दिखाई दे रही है।( लेखक- सुरेश हिंदुस्तानी / ईएमएस)

### आज का इतिहास 19 फरवरी

1389 दिल्ली के सुल्तान गयासुद्दीन तुगलक द्वितीय की हत्या हुई.
1570 फ्रांसीसी सेना की मदद से एंजोऊ के ड्यूक ने दक्षिणी नीदरलैंड पर हमला किया.
1618 वेनिस शांति संधि के तहत वेनिस और आस्ट्रिया का युद्ध समाप्त हुआ.
1630 शिवाजी का जन्म जुन्नेर में हुआ.
1674 ब्रिटिश फौजें डच युद्ध से हट गई.
1807 तुर्की के साथ युद्ध में रूस को मदद देने ब्रिटिश सैनिक पहुंचे.
1891 अमृत बाजार पत्रिका का प्रकाशन दैनिक के रूप में हुआ.
1895 हिन्दी के जाने माने प्रकाशक मुंशी नवलकिशोर का निधन हुआ.
1915 गोपाल कृष्ण गोखले का निधन.
1959 साइप्रस की स्वतंत्रता के बारे में यूनान,तुर्की और ब्रिटेन के बीच एक समझौता हुआ.
1963 सोवियत संघ क्यूबा से अपने काफी सैनिक हटाने के बारे में सहमत हुआ.
1978 प्रसिद्ध गायक पंकज मलिक का निधन.
1989 लेबनान में गृहयुद्ध समाप्त करने के उद्देश्य से मुस्लिम और ईसाई नेता अरब लोग से बातचीत करने कुवैत गए.
1991 प्रदर्शनकारियों ने रोमानिया के राष्ट्रपति इयान इलेफू के इस्तीफे की मांग की.
1991 बोरिस येल्तसिन ने सोवियत नेता मिखाइल गोर्बाचेव के इस्तीफे की मांग की.
1993 हैतो के पास समुद्र में 1500 यात्रियों सहित एक जहाज डूबा.
2003 संयुक्त अरब अमीरात ने दाऊद के भाई इकबाल शेख व उसके सहयोगी एजाज पठान को भारत को सौंपा.
2007 गाड़ी नं. 9001 अप अटारी स्पेशल समझौता एक्सप्रेस में विस्फोट के बाद लगी आग में 68 यात्री मारे गए.

## कोरोना वायरस का संक्रमण हो सकता है दोबारा

-ओमीक्रोन फैलने के बाद से दोबारा संक्रमण की खबरें आम

नॉर्विच (ब्रिटेन) (ईएमएस)। महामारी के आरंभ से ही हम जानते हैं कि कोरोना वायरस का संक्रमण दोबारा हो सकता है। हांगकांग के 33 वर्षीय व्यक्ति के संक्रमित होने का मामला दोबारा संक्रमण के शुरुआती मामलों में से एक है। वह पहली बार 26 मार्च 2020 को संक्रमित हुए थे। वह इसके 142 दिनों बाद आनुवंशिक रूप से अलग वायरस से दोबारा संक्रमित हुए। खासकर ओमीक्रोन स्वरूप फैलने के बाद से दोबारा संक्रमण की खबरें आम हो गई हैं।

दक्षिण अफ्रीका के प्रारंभिक अध्ययन से पता चलता है कि नए स्वरूप के आने के बाद पुनः संक्रमण का जोखिम तेजी से और काफी हद तक बढ़ गया। अध्ययन की स्वतंत्र रूप से वैज्ञानिकों द्वारा समीक्षा की जानी है। फिर से संक्रमण क्यों बढ़ रहे हैं? इसका सीधा सा जवाब है क्योंकि हमारी प्रतिरक्षा अक्सर संक्रमण को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं रह जाती है। यह ओमीक्रोन जैसे एक नए वायरल स्वरूप की उपस्थिति के कारण हो सकता है क्योंकि इसके रूप में परिवर्तन के कारण प्रतिरक्षा प्रणाली इसकी सटीक पहचान नहीं कर पाती, जिसका अर्थ है कि वायरस पूर्व प्रतिरक्षा को भेद देता है या यह इसलिए हो सकता है, क्योंकि पिछली बार जब हम संक्रमित हुए थे अथवा हमने जब टीका लगाया गया था, तब से प्रतिरक्षा कम हो गई हो। हम जानते हैं कि यह कोविड प्रतिरक्षा के साथ एक विशेष मुद्दा है - इसलिए टीके की बूस्टर खुराक की आवश्यकता है।

कोरोना वायरस आम तौर पर हमेशा नाक और गले के माध्यम से मानव शरीर में प्रवेश करता है। पूरे शरीर में प्रणालीगत प्रतिरक्षा की तुलना में इन क्षेत्रों में प्रतिरक्षा अपेक्षाकृत कम रहती है। पुनः संक्रमण कितना आम है? ब्रिटेन ने हाल में अपने कोविड-19 डैशबोर्ड पर पुनः संक्रमण पर डेटा प्रकाशित करना शुरू किया है। इसमें उस व्यक्ति को पुनः संक्रमित हुए मरीज के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जो 90 दिनों से अधिक समय बाद फिर से संक्रमित पाया गया हो। छह फरवरी 2022 तक इंग्लैंड में 1.45 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए थे और इनमें से लगभग 6,20,000 लोग दोबारा संक्रमित हुए। दोबारा संक्रमण के 50 प्रतिशत से अधिक मामले एक दिसंबर 2021 से आए हैं। यह तथ्य फिर से बताता है कि ओमीक्रोन के साथ पुनः संक्रमण का जोखिम काफी बढ़ गया है। लेकिन क्या दोबारा संक्रमण के दौरान बीमारी के लक्षण मामूली होते हैं? टीकाकरण करा चुके लोगों में प्राथमिक संक्रमण के दौरान लक्षण गैर-टीकाकरण वाले लोगों की तुलना में आमतौर पर कम गंभीर होते हैं।

### शब्द पहेली - 7202



**बाएँ से दाएँ**
1.वटवृक्ष, बट-4
4.मितव्यय,बचत-4
6. ......-सनाप, बेतुकी बकवास-3
8.भाड़ा-3
9.मृत्यु होना-3
11.खुशी, सहमत-2
13.अक्लमंद, समझ वाला-5
15.बलिदान, उत्सर्ग-2
16.जबान, जीभ, जिह्वा-3
18.गिरोह, मंडली, समूह-3
19.अपनापन, प्रेम, स्नेह-3
20.फूलना-फलना-4
22.अभिलाषा, आकांक्षा, हसरत-4

**ऊपर से नीचे**
1.कलंकित, निंदित, लांछित-3
2.दुख, शोक, अफसोस-2
3.खात्मा, समाप्ति, बर्बाद-3
4.मकान आदि भाड़े पर लेने वाला-5
5.संस्कृति, सभ्यता-4
7.स्पर्श, छूना-3
10.ख्याति अर्जित करना (मु.-2,3)
12.वह आरोप जो किसी आरोप के जवाब में किया जाय-4
14.परंपरा, नियम, चाल -3
17.ख्याति, जाना-पहचाना-3
18.माला आदि फैरना-3
21.जेबकतरा, ठग, डाकू-2

शब्द पहेली -7201 का हल



Jagrutidaur.com, Bangalore

### दैनिक पंचांग

19 फरवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति




| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | कुंभ में | कुंभ | 06.10 बजे से |
| चंद्र | कन्या में | मीन | 07.46 बजे से |
| मंगल | धनु में | मेष | 09.17 बजे से |
| बुध | मकर में | वृष | 10.57 बजे से |
| गुरु | कुंभ में | मिथुन | 12.55 बजे से |
| शुक्र | धनु में | कर्क | 15.09 बजे से |
| शनि | मकर में | सिंह | 17.25 बजे से |
| राहु | वृष में | कन्या | 19.37 बजे से |
| केतु | वृश्चिक में | तुला | 21.47 बजे से |
| | | वृश्चिक | 00.02 ब.से |
| राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक | | धनु | 02.18 बजे से |
| | | मकर | 04.23 बजे से |

**शनिवार** 2022 वर्ष का 50 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 21.57 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 16.51 बजे को समाप्त। **योग** धृति 16.56 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 10.16 बजे तदनन्तर विष्टि 21.57 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 11° 22' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871164 **जूलियन दिन** 2459629.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** रज्जब **तारीख** 17 **विशेष** छत्रपति शिवाजी जयंती, गुरु गोलवलकर जयंती।

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| काल | 05.55 से 07.23 बजे तक | लाभ | 05.37 से 07.10 बजे तक |
| शुभ | 07.23 से 08.51 बजे तक | उद्वेग | 07.10 से 08.42 बजे तक |
| रोग | 08.51 से 10.19 बजे तक | शुभ | 08.42 से 10.14 बजे तक |
| उद्वेग | 10.19 से 11.46 बजे तक | अमृत | 10.14 से 11.47 बजे तक |
| चर | 11.46 से 01.14 बजे तक | चर | 11.47 से 01.19 बजे तक |
| लाभ | 01.14 से 02.42 बजे तक | रोग | 01.19 से 02.51 बजे तक |
| अमृत | 02.42 से 04.10 बजे तक | काल | 02.51 से 04.23 बजे तक |
| काल | 04.10 से 05.37 बजे तक | लाभ | 04.23 से 05.56 बजे तक |

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

## खेल - समाचार

### बिहार के गनी ने डेब्यू मुकाबले में लगाया तिहरा शतक

कोलकाता (ईएमएस)। बिहार के सकिबुल गनी ने रणजी ट्राफी के अपने पदार्पण मैच में ही तिहरा शतक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। गनी ने यह शतक मिजोरम के खिलाफ हुए मैच में लगाया। इसी के साथ ही गनी प्रथम श्रेणी मैच में पदार्पण पर ही शतक लगाने वाले विश्व के पहले क्रिकेटर बने हैं। गनी ने मिजोरम के खिलाफ कोलकाता में रणजी ट्रॉफी मुकाबले के दौरान यह बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। गनी ने 387 गेंदों पर 50 चौकों की मदद से अपना तिहरा शतक लगाया।

गनी अंत में 341 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले प्रथम श्रेणी पदार्ण मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अजय राजकुमार रोहेरा के नाम था। रोहेरा ने साल 2018-19 के रणजी सीजन में मध्यप्रदेश की ओर से हैदराबाद टीम के खिलाफ नाबाद 267 रनों की पारी खेली थी। गनी ने इससे पहले 14 लिस्ट-ए एवं 11 टी20 मुकाबलों में भाग लिया था। लिस्ट-ए मुकाबलों में उन्होंने अबतक 31.41 की औसत से 337 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और इतने ही अर्धशतक शामिल रहे। वहीं टी20 मुकाबलों में उनके नाम 27.42 की औसत से 192 रन हैं।

सकिबुल गनी ने चौथे विकेट के लिए बाबुल कुमार के साथ 538 रनों की साझेदारी की। बाबुल कुमार ने भी दोहरा शतक लगाया है।

341 सकिबुल गनी (2022)
267* अजय रोहेरा (2018)
260 अमोल मुजुमदार (1994)
256* बाहिर शाह (2017)
240 एरिक मार्क्स( 1920)।

### महिला क्रिकेट : न्यूजीलैंड ने तीसरे एकदिवसीय में भी भारतीय टीम को हराया

सीरीज में 3-0 की बढ़त हासिल की

क्वींसटाउन (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को यहां मेजबान टीम न्यूजीलैंड ने तीसरे एकदिवसीय मैच में भी हराकर पांच मैचों की इस सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम को इस मैच में तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने दीप्ति शर्मा के नाबाद 69 रनों के अलावा मेघना 61 और शेफाली वर्मा 51 के अर्धशतकों की सहायता से 49.3 ओवर में 279 रन बनाये। इसके बाद न्यूजीलैंड ने जीत के लिए मिले 280 रनों के लक्ष्य को 49.1 ओवरों में ही सात विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड की जीत में लॉरेन डाउन की अहम भूमिका रही। लॉरेन ने 52 गेंदों में ही 64 रन बना दिये। लॉरेन ने अपनी पारी में 6 चौके और 2 छक्के लगाए। वहीं दूसरी ओर भारत की ओर से तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने 47 रन देकर 3 विकेट लिए। मेजबान टीम के शुरुआती दो विकेट 14 रनों पर ही गिर गये पर इसके बाद एमी सैथरवेट और एमेलिया केर ने शतकीय साझेदारी कर टीम को जीत की राह पर अग्रसर किया।

कप्तान सोफी डिवाइन शून्य पर ही आउट हो गयीं। उन्हें झूलन गोस्वामी ने आउट कर मेजबान टीम को करारा झटका दिया। झूलन ने इसके बाद सूजी बेट्स को भी 5 रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया। केर 67 और सैथरवेट 59 ने तीसरे विकेट के लिए 103 रन बनाये। सैथरवेट को झूलन ने आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। स्नेह राणा ने एमेलिया को आउट कर भारतीय टीम को एक और सफलता दिलाई। इसके बाद लॉरेन ने अर्धशतक लगाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। भारत की ओर से झूलन के अलावा रेणुका सिंह, एकता बिष्ट, दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा ने 1-1 विकेट लिया।

इससे पहले भारत की ओर से मेघना और शेफाली दोनों ने मिलकर 100 रन की साझेदारी बनायी। वहीं कप्तान मिताली राज 23, हरमनप्रीत कौर 13 और यास्तिका भाटिया 19 रन ही बना पायीं।

### ऑस्ट्रेलियाई के साथ सीरीज रोचक रहेगी : मुश्ताक

कराची (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच सकलेन मुश्ताक ने 24 साल बाद पाकिस्तान दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम के प्रति आभार व्यक्त किया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 27 फरवरी को पाक पहुंचेगी। यहां उसे तीन टेस्ट, तीन एकदिवसीय और एक टी20 मैच खेलना है। मुश्ताक ने कहा, 'मैं 24 साल बाद पाकिस्तान आने के लिए ऑस्ट्रेलिया को धन्यवाद देता हूं। मुझे भरोसा है कि यह रोचक सीरीज रहेगी।' उन्होंने कहा, 'पाक के सभी क्रिकेट प्रशंसक चाहते हैं कि सभी टीमें यहां आकर खेलें। हम खुले दिल से पूरी दुनिया से यहां आने का अनुरोध करते हैं।' गौरतलब है कि साल 2009 में श्रीलंकाई टीम पर हुए आतंकी हमले के बाद से ही विदेशी टीम सुरक्षा मामले को लेकर पाक दौरे से इंकार करती रही हैं। हाल के दिनों में हालांकि विदेशी खिलाड़ी पाक सुपर लीग में खेलने के लिए यहां आते रहे हैं।

### छह भारतीय पुरुष मुक्केबाज चोटिल होने के कारण स्ट्रेंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट से हटे

नई दिल्ली (ईएमएस)। छह भारतीय पुरुष मुक्केबाज चोटिल होने के कारण बुल्गारिया के सोफिया में शनिवार से शुरु होने वाले स्ट्रेंड्जा मेमोरियल मुक्केबाजी टूर्नामेंट से बाहर होने हो गये हैं। खेल मंत्रालय के अनुसार ट्रेनिंग के दौरान चोटिल होने के कारण गोविंद 48 किग्रा, अंकित 51 किग्रा, राजपिंदर सिंह 54किग्रा, दलवीर सिंह 63.5 किग्रा, रोहित टोकस 71 किग्रा और गौरव चौहान 92 किग्रा वर्ग में इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। इस प्रकार भारतीय पुरुष टीम में अब केवल सात मुक्केबाज ही बचे हैं। वहीं इससे पहले महिला टीम से भी पूजा रानी 81 किग्रा और सोनिया लाठेर 57 किग्रा ने अपना नाम वापस ले लिया है इसलिए महिला वर्ग में केवल दस सदस्य शेष हैं। इसपर भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने कहा, ट्रेनिंग के दौरान चोट लगती रहती हैं। इस साल होने वाले राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों को देखते हुए इन खिलाड़ियों को उबरने के लिए पर्याप्त समय दिया गया है। वहीं इसी बीच भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने कहा कि सरकार इस टूर्नामेंट में टीम के भाग लेने का खर्चा उठाएगी।

साइ ने कहा , सरकारी खर्चे पर महिला टीम के लिए पांच सहयोगी स्टाफ और पुरुष टीम के लिए चार सहयोगी स्टाफ को भी यात्रा की मंजूरी दी गई है। भारतीय टीम को इस टूर्नामेंट के जरिये इस साल मई में होने वाले विश्व चैंपियनशिप में के लिए अभ्यास का अच्छा अवसर मिला है।

### हरमनप्रीत की टीम में जगह नहीं बनती : इडुल्जी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान डाइना इडुल्जी ने कहा है कि अनुभवी खिलाड़ी हरनमप्रीत कौर लय में नहीं हैं, इसलिए अभी उन्हें टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिये। इडुल्जी ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के लिए भी हरमनप्रीत को जगह नहीं मिलनी चाहिये। इडुल्जी के अनुसार पृथकवास पूरा करने के बाद अगले मैच में स्मृति मंधाना की वापसी होने पर युवा खिलाड़ी शेफाली वर्मा को भी अगले मैच में जगह नहीं मिलनी चाहिये।

उन्होंने कहा है कि मंधाना के नहीं होने पर एस मेघना ने प्रभावित किया जबकि पिछले साल पदार्पण के बाद से शेफाली 50 ओवर के प्रारूप में रन नहीं बना पा रही हैं। वहीं इंग्लैंड में 2017 विश्व कप के बाद से हरमनप्रीत सिर्फ दो बार 50 रन के ऊपर पहुंच पायी हैं। पिछले हरमनप्रीत की फिटनेस समस्या थी पर महिला बिग बैश लीग में अच्छे प्रदर्शन के बाद उनके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस फॉर्म को दोहराने की उम्मीद थी। वह हालांकि न्यूजीलैंड के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला में विफल रही हैं।

इडुल्जी ने कहा, ' जिस प्रकार लय में नहीं होने पर जेमीमा रोड्रिग्ज को टीम से बाहर किया गया है वही मापदंड हरमनप्रीत पर भी लागू होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'मैं उससे काफी निराश हूं। वह मेरी पसंदीदा खिलाड़ी थी पर आप सिर्फ एक पारी साल 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 171 रन के बल पर ही टीम में बनी नहीं रह सकती हैं। टीम में बने रहने के लिए निरंतरता की जरुरत होती है।

### 2023 एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर की मेजबान करेगा भारत

नई दिल्ली (ईएमएस)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के 2023 एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर की मेजबानी के प्रस्ताव को एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने मान लिया है। इस तीसरे दौर के क्वालीफायर का आयोजन कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में किया जाएगा और यह मुकाबले 8 , 11 और 14 जून को खेले जाएंगे। एआईएफएफ के महासचिव कुशाल दास ने कहा, ''हमने एएफसी एशियाई कप के तीसरे दौर के क्वालीफायर की मेजबानी की दावेदारी पेश की थी और हम एशियाई फुटबॉल परिसंघ के आभारी हैं कि उन्होंने हमारी बोली स्वीकार कर ली।''उन्होंने कहा, ''हम समझते हैं कि स्वदेश में खेलना और वह भी कोलकाता, एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने के अभियान में टीम के लिए फायदे की स्थिति होगी।'' भारत इससे पहले चार बार 1964, 1984, 2011 और 2019 में एशियाई कप के लिए क्वालीफाई कर चुका है। वहीं चीन 2023 में मुख्य टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा।

# स्वास्तिक को लेकर कनाडा में विवाद, भारतीय कनाडाई विरोध में उतरे

ओटावा (ईएमएस)। स्वास्तिक हिंदू धर्म में सबसे पवित्र प्रतीक माना जाता है, लेकिन कनाडा में इस लेकर विवाद छिड़ गया है। बता दें कि, कनाडा की संसद में स्वास्तिक के इस्तेमाल पर बैन लगाने के लिए एक विधेयक लाया गया है,इससे भारतीय कनाडाई काफी भड़के हुए है। विवाद इतना बढ़ गया है कि भारत सरकार ने कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से बात की है। कनाडा की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जगमीत सिंह के समर्थक सासंदों ने स्वास्तिक प्रतीक पर पांबदी लगाने को लेकर विधेयक पेश किया है। विधेयक से भारतीय कनाडाई समुदाय लगातार विरोध कर रहे है। इससे पहले कनाडा में ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल को लेकर बवाल मचा हुआ है।

बता दें कि, जगमीत सिंह ने महीने की शुरूआत में ट्वीट किया कि, 'स्वास्तिक और संघ के झंडे का कनाडा में कोई स्थान नहीं है। अपने समुदायों को सभी के लिए सुरक्षित बनाना हमारी जिम्मेदारी है। यह कनाडा में घृणा के प्रतीकों पर प्रतिबंध लगाने का समय है।यह देखकर टोरंटो स्थित वकील रागिनी शर्मा ने विधेयक के विरोध में एक अभियान चलाया है।अभियान में कनाडाई लोगों को मतभेदों के बारे में शिक्षित करने और यह समझाने की जरूरत है कि स्वास्तिक का नाजी नफरत के प्रतीक से कोई लेना-देना नहीं है।

बता दें कि, अगर यह कानून बनाता हैं, तब भारतीय और कनाडाई बौद्ध संघ जैसे संगठनों के लिए काफी बड़ी समस्याएं पैदा हो सकती है। कई मंदिरों में स्वास्तिक प्रतीक चिंह होते है और अगर यह विधेयक पास हुआ,तब कई मुश्किलें पैदा हो सकती है। वहीं इनदिनों भारतीय-कनाडाई लोगों ने भी ब्रिटिश कोलंबिया के सटे शहर में इस संदर्भ में एक रैली निकाली है। भारतीय-कनाडाई लोगों की मांग है कि स्वास्तिक शब्द को बिल से हटाया जाए और इस नाजी प्रतीकों से बदल दिया जाए। अगर ऐसा नहीं हुआ,तब हम घर या मंदिर में स्वास्तिक कैसे प्रदर्शित कर पाएंगे?

# अमेरिका में बेरोजगारी दावों के आंकड़ों में वृद्धि

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में बेरोजगारी दावों के आंकड़ों में वृद्धि देखी गई है। पिछले सप्ताह अधिक संख्या में लोगों ने बेरोजगारी लाभ या दावे के लिए आवेदन किया है। हालांकि, इससे पिछले तीन सप्ताह के दौरान बेरोजगारी लाभ के लिए दावा करने वालों की संख्या घटी थी। श्रम विभाग की गुरुवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले सप्ताह बेरोजगारी दावा करने वालों की संख्या 23,000 बढ़कर 2,48,000 पर पहुंच गई। पिछले सप्ताह के बेरोजगारी लाभ के आंकड़ों को संशोधित कर 2,25,000 किया गया है। विभाग ने कहा कि दावों के लिए चार सप्ताह का औसत 10,500 घटकर 2,43,250 रह गया। इसमें लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट दर्ज हुई है। इससे पिछले पांच सप्ताह के दौरान इसमें बढ़ोतरी हुई थी।

# यूक्रेन संकट- वाणिज्यिक उपग्रहों से प्राप्त तस्वीरों ने बढ़ाई चिंता की लकीरें

वॉशिंगटन (ईएमएस)। यूक्रेन और रूस के बढ़ते तनाव को लेकर पूरा विश्व चिंतित है। चिंता की वजह पुख्ता होने के पीछे वाणिज्यिक उपग्रह से प्राप्त चित्रों को बताया जा रहा है। चित्रों में रूस की सेनाएं यूक्रेन को घेर रही हैं हालांकि, इस तस्वीरों की अपनी सीमाएं हैं। मैक्सर जैसी कंपनियों के वाणिज्यिक उपग्रहों से हाल में प्राप्त उच्च गुणवत्ता वाले चित्रों में सामने आया है कि यूक्रेन से लगती सीमा पर रूस के सैनिक, एयरफील्ड और तोपखाना तैनात किया जा रहा है। दक्षिण बेलारूस और क्रीमिया में भी सैन्य जमावड़े की गतिविधियां सामने आई हैं जिसे रूस से 2014 में यूक्रेन से हथिया लिया था। इन तस्वीरों से अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के अधिकारियों के दावे सही प्रतीत होते हैं कि रूसी सेनाएं उस स्थिति में हैं जहां से वह यूक्रेन पर हमला कर सकती हैं। हालांकि, वाणिज्यिक उपग्रहों से प्राप्त तस्वीरों में इसकी पुष्टि नहीं हो सकती कि रूस के कितने सैनिक एकत्र हैं या यूक्रेन पर हमला होगा या नहीं। अमेरिकी नौसेना के सेवानिवृत्त एडमिरल जेम्स स्टाव्रिडिस ने कहा कि मैक्सर से प्राप्त तस्वीरों से अच्छी जानकारी मिल सकती है लेकिन उतनी सटीक सूचना नहीं मिल सकती जितना अमेरिकी नेताओं को मिलती है।

# कामकाज के लिए यूएई गए भारतीयों के लिए गुड न्यूज, हवाई किराया हुआ सस्ता

अबू धाबी (ईएमएस)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत यात्रा का हवाई किराया बहुत सस्ता हो गया है। शारजाह स्थित एयर अरबिया ने भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश समेत कई देशों के लिए विशेष हवाई किराए का ऐलान किया है। इसके जरिए रिटर्न इकॉनमी क्लास के लिए यात्री 760 दिरहम या 15528 रुपये में टिकट बुक करवा सकते हैं। एयर अरबिया पिछले कई महीनों से अल खैमाह और शारजाह एयरपोर्ट के लिए शटल बस सेवा भी जारी रखी है। बजट कैरियर कहे जाने वाले एयर अरबिया ने कहा कि इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए यात्रियों को 20 फरवरी, रविवार से पहले टिकट बुक करना होगा। एयर अरबिया बजट क्लास में सबसे अधिक लेगरूम देने का वादा करता है। लेगरूम किसी एक सीट से आगे वाली सीट की दूरी को कहा जाता है। भारतीयों के लिए कोच्चि का रिटर्न एयर फेयर 760 दिरहम का है। दिल्ली और मुंबई के लिए यही किराया 900 दिरहम या 18389 रुपए है। इसके अलावा अहमदाबाद के लिए किराया 1,050 दिरहम और बेंगलुरु के लिए 1,150 दिरहम तय की गई है।

एयर अरबिया ने पाकिस्तानी यात्रियों के लिए भी विशेष ऑफर लॉन्च किया है। इसके जरिए कराची के लिए 849 दिरहम, सियालकोट के लिए 949 दिरहम, फैसलाबाद के लिए 1,040 दिरहम में रिटर्न इकॉनमी क्लास की टिकट बुक करवाया जा सकता है। लो कॉस्ट करियर एयर अरबिया यूएई के दो अमीरात शारजाह और रास अल खैमाह के लिए फ्लाइट संचालित करता है। इस एयरलाइन ने मिस्त्र, आर्मेनिया, लेबनान, रूस और जॉर्जिया के लिए भी ऑफर निकाला है।

# रुस को धूल चाटने अमेरिका ने 100 परमाणु बम तैयार हालत में रखे

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन के साथ जारी तनाव पर अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो देशों को परमाणु जंग की धमकी दे रहे है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की राह आसान नहीं होने जा रही है। अमेरिका ने यूरोप के 5 देशों में 100 परमाणु बम बिल्कुल तैयार हालत में रखे हैं। इतना ही नहीं इन परमाणु बमों को दागने के लिए अमेरिका ने एफ-16 सहित अन्य लड़ाकू विमानों को भी यूरोपीय अड्डों पर तैनात कर रखा है। इसके अलावा अमेरिका ने यूक्रेन तनाव को देखकर अपने बी-52 परमाणु बॉम्बर को भी ब्रिटेन के हवाई ठिकाने पर भेजा है। अमेरिका अपने नए परमाणु बम बी61-12 को भी बहुत तेजी से तैयार कर रही है,इस साल 2023 तक यूरोप में भी तैनात कर दिया जाएगा। ये परमाणु बम अमेरिका के सबसे घातक एफ-35 लड़ाकू विमानों से गिराए जा सकते हैं। अमेरिका ने यूरोप की यह किलेबंदी रूस के नाटो देशों पर हमले के खतरे को देखते हुए काफी लंबे समय से कर रखी है। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन का मुख्य सिद्धांत है, कि सामूहिक रक्षा की जाए। इसका मतलब यह हुआ कि कोई तीसरा देश अगर नाटो देशों पर हमला करता है,तब प्रत्येक सदस्य को उसकी रक्षा के लिए आगे आना ही होगा।

अगर रक्षा पर खर्च की बात करें,तब अमेरिका ने नाटो के अन्य सदस्य देशों के कुल रक्षा खर्च का दोगुना खर्च किया है। साल 2021 में अमेरिका का रक्षा बजट 705 अरब डॉलर रहा। रक्षा के क्षेत्र में सबसे ज्यादा पैसा बहाने के साथ-साथ अमेरिका के पास महाविनाशक हथियार और एक विशाल सेना भी मौजूद है। साल 2017 में अमेरिका के पास 13 लाख सक्रिय सैनिक थे और 865000 सैनिक रिजर्व में थे। नाटो देशों में ब्रिटेन सबसे ज्यादा रक्षा खर्च करने में दूसरे नंबर पर है। इसके बाद जर्मनी, फ्रांस और इटली का नंबर आता है।

वहीं रूस के ताकत की बात करें,तब पुतिन के नेतृत्व में रूस दुनिया के शक्तिशाली मुल्कों की श्रेणी में शामिल है। रूस के हथियारों के जखीरे में 336 अंतरमहाद्वीपीय मिसाइलें, 2840 टैंक, 5,220 हथियार बंद वाहन और 4,684 तोपें हैं। हालांकि अभी कुछ आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन, रेडॉर, सैटलाइट से निगरानी के मामले में पीछे चल रहा है। रूसी पत्रकार कहते हैं कि हमारे पास हथियार हैं,जिसमें लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियार शामिल हैं। लेकिन हमारा निगरानी तंत्र अभी हमला करने की ताकत की तुलना में कमजोर है।

# नाटो संगठन ने यूक्रेन संकट पर रूस पर गुमराह करने का आरोप लगाया

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन-रूस के बीच बढ़ते तनाव के बीच उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सहयोगी देशों ने रूस पर आरोप लगाया है कि उसने अपने कुछ सैनिकों को सैन्य अड्डों पर वापस लाने की बात कह कर विश्व को गुमराह किया और गलत सूचना का प्रसार किया, जबकि उसने यूक्रेन से लगी अपनी सीमा के पासकरीब 7,000 सैनिक और बढ़ा दिए। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण करने की आशंका पश्चिम देशों में बढ़ने के साथ-साथ गुरुवार को उस सीमा रेखा पर तनाव भी बढ़ गया, जो यूक्रेन के पूर्व में यूक्रेनी सैनिकों को रूस समर्थित अलगावादियों से अलग करता है। दरअसल, दोनों पक्षों ने भारी गोलाबारी के एक दूसरे पर आरोप लगाये हैं।

हफ्ते की शुरूआत में तनाव घटाने वाले रूस से कुछ संकेत मिलने के बाद स्थिति फिर से विपरीत दिशा में जाती प्रतीत हो रही है। नाटो प्रमुख ने कूटनीतिक समाधान के लिए प्रयास जारी रखने की रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन की पेशकश का स्वागत किया है लेकिन उन्होंने और अन्य ने चेतावनी दी है कि अमेरिका नीत गठबंधन ने सैनिकों की वह वापसी अब तक नहीं देखी है जिसकी मास्को ने घोषणा की थी।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्री बेन वालेस ने ब्रसेल्स में पश्चिमी देशों के गठबंधन की एक बैठक से पहले कहा, 'हमने बयानों के कुछ उलट देखा है। हमने पिछले 48 घंटे में सैनिकों की संख्या में 7,000 तक की वृद्धि देखी है।' उन्होंने कहा, 'हम काफी गंभीर हैं और खतरे का सामना करने जा रहे हैं, जो अभी पैदा किया जा रहा है।' उनका यह बयान बुधवार को अमेरिकी प्रशासन के अधिकारी के बयान के समान है। उल्लेखनीय है रूस ने यूक्रेन की सीमा के पास अपने 1,50,000 सैनिकों को जमा कर रखा है, जिससे यूक्रेन पर आसन्न हमले का अंदेशा पैदा हो गया है। ब्रिटेन के सशस्त्र बल मंत्री जेम्स हीप्पी ने सैनिकों को वापस बुलाने के रूस के दावे को गलत सूचना का प्रसार करना बताया।

इस सप्ताह रूस ने कई बार कहा कि वह अपने कुछ सैनिकों को सैन्य अड्डों पर वापस बुला रहा है। इस बीच, गुरुवार को नाटो के सहयोगी देशों ने चेतावनी दी कि वे किसी भी आक्रमण का मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। वालेस ने कहा, 'इस सैन्य जमावड़े-रूस के जमीनी लड़ाकू बल का करीब 60 प्रतिशत- का परिणाम आपको विपरीत प्रभाव देगा।' इस बीच, यूक्रेन के पूर्वी हिस्से में तनाव बढ़ गया है जहां रूस समर्थित अलगाववादी 2014 से यूक्रेनी सैनिकों से लड़ रहे हैं। गुरुवार को लुशांक क्षेत्र में यूक्रेन की गोलाबारी बढ़ गई, जिसे एक उकसावे के तौर पर देखा जा रहा है। लुशांक क्षेत्र में अलगाववादी अधिकारियों ने तनावपूर्ण संपर्क रेखा पर यूक्रेन की ओर से भारी गोलाबारी दर्ज की है और इसे बड़े पैमाने पर उकसावा करार दिया है।

# नेपाल सरकार ने भारतीय महिलाओं की शादी को लेकर बदला कानून

काठमांडू (ईएमएस)। नेपाल की शेर बहादुर देउवा सरकार ने वहां शादी करने वाली भारतीय महिलाओं की शादी को लेकर बनाए गए कानून में बदलाव ?किया है। पहले भारतीय महिलाओं को शादी करने के बाद नेपाल के कोर्ट में नाता प्रमाणित कराना होता था। अदालत से मंजूरी मिलने के बाद ही स्थानीय नगर पालिका या गांव पालिका में विवाह दर्ता दर्ज हो पाता था, लेकिन अब वहां की सरकार ने राष्ट्रीय परिचय पत्र तथा पंजीकरण नियमावली की धारा 16(6) में परिवर्तन करते हुए अदालत से नाता प्रमाणित करने वाले नियम को हटा दिया है। अब कोई भी भारतीय महिला जो नेपाली नागरिक से शादी करती है तो उसे सीधे अपने गांव पालिका या नगरपालिका के वार्ड दफ्तर में ही विवाह दर्ता का पत्र मिल जाएगा। दरअसल नेपाल की पिछली कम्यूनिष्ट सरकार ने भारतीय महिलाओं के राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों में कटौती कर दी थी। साथ ही नेपाली नागरिक से शादी करने वाली भारतीय महिला को सात साल तक नागरिकता का प्रमाण पत्र लेने का इंतजार करने जैसे कठोर कानून बना दिया था।

हालांकि अत्यन्त विरोध के बाद सात साल वाला कानून वापस लेना पडा था। वैसे नेपाल के नए संविधान में नेपाल में भारतीय बेटियों को कई सारे राजनीतिक अधिकार से वंचित होना पड़ा है जिसके लिए अभी भी मधेशी दल संघर्षरत है। अब नेपाल में ब्याही भारतीय बेटियां नेपाल के कई उच्च पदों के लिए वंचित कर दी गई है, जिसमें राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, संसद अध्यक्ष, प्रधान सेनापति, प्रदेश की मुख्यमंत्री प्रदेश सभा अध्यक्ष जैसे पद हैं।

# शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में यह गिरावट दुनिया भर से मिले नकारात्मक संकेतों के साथ ही रुस यूक्रेन तनाव से आई है। इससे निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया है जिससे बाजार धारण कमजोर हुई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स में करीब 700 अंक के उतार-चढ़ाव के बाद अंत में यह 59.04 अंक करीब 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ ही 57,832.97 अंक पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार प्रचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 28.30 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी नीचे आकर 17,276.30 अंक पर बंद हुआ। बाजार में दिग्गज कंपनियों अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, रिलायंस, बजाज फाइनेंस और नेस्ले के शेयरों में 1.88 फीसदी तक की गिरावट रही। सेंसेक्स के कुल तीस में से 17 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार जानकारों के अनुसार यूक्रेन पर रूस के हमले की आशंका बनी होने से निवेशकों में संशय है , इससे बाजार में बिकवाली हावी है।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 शेयर नुकसान में रहने के साथ ही लाल निशान पर कारोबार करते नजर आए। इनमें अल्ट्रा सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बाजाज फाइनेंस, रिलायंस, पावरग्रिड, भारती एयरटेल आदि हैं। वहीं दूसरी ओर एचडीएफसी , एलटी, एक्सिस बैंक, एसबीएन, कोटक बैंक, डॉक्टर रेड्डी, एचसीएल टेक, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, सनफार्मा, टाटा स्टील, मारुति और हिंदुस्तान लीवर के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।इससे पहले आज सुबह बाजार की धीमी शुरुआत हुई। कारोबार शुरू होते ही निवेशकों ने जमकर मुनाफावसूली शुरू कर दी। इससे शुरुआती सत्र में ही सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट आने लगी जो दिन भर बनी रही।

# रत्न, आभूषण क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने पर सरकार का जोर: गोयल

मुंबई (ईएमएस)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि देश को आत्मनिर्भर रत्न एवं आभूषण क्षेत्र की जरूरत है। इसके लिए सरकार घरेलू वृद्धि के अलावा निर्यात प्रोत्साहन के लिए भी इस क्षेत्र पर खास ध्यान दे रही है। गोयल ने कहा कि भारत रत्न एवं आभूषण क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाना चाहता है, लिहाजा घरेलू एवं निर्यात वृद्धि दोनों पर ही खास ध्यान रहेगा। गोयल ने कहा कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में रत्न एवं आभूषण क्षेत्र का योगदान सात प्रतिशत है और इसमें करीब 50 लाख लोगों को रोजगार मिलाता है।

उन्होंने कहा, बजट 2022 ने क्षेत्र की वृद्धि और वैश्विक रत्न एवं आभूषण कारोबार में भारत की मौजूदगी बढ़ाने की राह प्रशस्त की है।ठ बजट में प्रस्तावित नीतियों से ई-कॉमर्स के जरिये निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा और छोटे विक्रेता भी इस क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने में मददगार होगा। गोयल ने कहा, मुझे यकीन है कि यह क्षेत्र चालू वित्त वर्ष के अंत तक 40 अरब डॉलर का निर्यात लक्ष्य हासिल करने में सफल रहेगा। गत 31 जनवरी 2022 तक इसका निर्यात 32 अरब डॉलर पर था। इस तरह मार्च के अंत तक रत्न एवं आभूषण निर्यात कोविड-पूर्व स्तर पर पहुंच जाएगा।

## सोने , चांदी की कीमतों में उछाल

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय बाजार में शुक्रवार को सोने , चांदी की कीमतों में उछाल आया है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में 77 रुपये की तेजी आई। वहीं, चांदी की कीमतों में आज 379 रुपये की उछाल आया है। सोने की कीमतों में 77 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी के साथ ही यह 50,037 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं गत कारोबारी सत्र के दौरान सोना 49,960 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी के दाम 379 रुपये की तेजी के बाद 63,869 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुए। पिछले कारोबारी सत्र के दौरान दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 63,490 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी।

# इस साल बढ़ेंगे संपत्तियों के दाम: सर्वेक्षण

नई दिल्ली (ईएमएस)। एक उपभोक्ता सर्वेक्षण में 55 प्रतिशत से अधिक घर खरीदारों ने वर्ष 2022 में आवास की कीमतें बढ़ने की संभावना जताई है। एक सर्वेक्षण में कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि को देखते हुए खरीदारों ने यह संभावना जताई है। यह सर्वे जुलाई, 2021 और दिसंबर, 2021 के बीच किया गया। इसमें पहली, दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में 5,210 प्रतिभागियों ने विभिन्न डिजिटल मंचों के जरिए अपनी राय व्यक्त की है। सर्वेक्षण में 56 प्रतिशत प्रतिभागियों ने निर्माण के कच्चे माल में वृद्धि और डेवलपर्स के लिए कुल परिचालन लागत में बढ़ोतरी के कारण 2022 में आवास कीमतों में वृद्धि की संभावना जताई है। इसमें कहा गया है कि घरों की कीमतों में 10 प्रतिशत से कम की वृद्धि का प्रभाव ज्यादा नहीं होगा लेकिन 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि का खरीदार की भावना पर अधिक गहरा असर होगा।

# एचयूएल ने दो महीने में लगातार दूसरी बार बढ़ाए साबुन, सर्फ और पाउडर के दाम

- आने वाले सप्ताह में अन्य कंपनियां भी उत्पादों के बढ़ा सकती हैं दाम

नई दिल्ली (ईएमएस)। महंगे पेट्रोल, डीजल और खाने के तेल के बाद अब साबुन, सर्फ, डिशवॉश जैसे उत्पाद भी महंगे हो गए हैं। दरअसल, देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने फरवरी में इन उत्पादों के दाम 3 से 10 फीसदी तक बढ़ा दिए हैं। कंपनी ने दो महीने में लगातार दूसरी बार दाम बढ़ाए हैं। एचयूएल का कहना है कि कच्चे माल की ऊंची कीमतों के असर को कम करने के लिए इन उत्पादों के दाम दूसरी बार बढ़ाने का फैसला किया गया है। कीमतों में बढ़ोतरी दिसंबर तिमाही की आय के बाद प्रबंधन ने जैसा कहा था, यह वृद्धि उसी के अनुरूप है। एचयूएल के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) रितेश तिवारी ने कहा कि बढ़ रही लागत को देखते हुए हमारी पहली प्राथमिकता बहुत कठिन बचत करना और फिर चरणबद्ध तरीके से कीमतें बढ़ाना है। जांच में पता चला है कि सर्फ एक्सेल ईजी वॉश, सर्फ एक्सेल क्विक वॉश, विम बार एवं लिक्विड, लक्स एवं रेक्सोना साबुन और पॉन्ड्स टेल्कम पाउडर की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। एचयूएल ने इस साल जनवरी में भी व्हील, रिन, सर्फ एक्सेल और लाइफब्वॉय श्रेणी के उत्पादों के दाम 3-20 फीसदी तक बढ़ाए थे। चाय, कच्चे पाम तेल एवं अन्य कमोडिटी की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण कंपनी ने दिसंबर और सितंबर तिमाही में भी दाम बढ़ाए थे। इससे वह उन एफएमसीजी कंपनियों में शामिल हुई थी, जिनका परिचालन आय दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर बढ़ा था। अपने उत्पादों के दम पर हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हिस्सेदारी में दिसंबर तिमाही में 10 वर्षों में सबसे बड़ा विस्तार देखा गया। ऐसे में सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी की ओर से जरूरी उत्पादों की कीमतों में की गई बढ़ोतरी देश में खुदरा महंगाई पर पड़ने वाले असर पर चिंता पैदा करती है। आने वाले सप्ताह में अन्य कंपनियां भी उत्पादों के दाम बढ़ा सकती हैं।

## दस साल में डेटा उपयोग 20 गुना बढ़ाएगा मेटावर्स: रिपोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के मेटावर्स की ओर बदलाव से 2032 तक दुनियाभर में डेटा के उपयोग में 20 गुना तक की बढ़ोतरी होगी। क्रेडिट सुइस द्वारा हाल ही में जारी रिपोर्ट के अनुसार इस परिवर्तन से दूरसंचार कंपनी जियो और एयरटेल को सबसे अधिक फायदा होगा। रिपोर्ट के अनुसार मेटावर्स में स्मार्टफोन, कंप्यूटर, टेलीविजन या वीडियो गेम कंसोल जैसी उपकरणों का उपयोग करने में लगने वाला समय और बैंडविड्थ (डेटा स्थानांतरण की अधिकतम दर) की खपत बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है ?कि इंटरनेट ट्रैफिक का प्रवाह पहले से ही वीडियो में 80 प्रतिशत है। यह 30 प्रतिशत की सालाना दर (सीएजीआर) से बढ़ रहा है। हमारी टीम का अनुमान है कि मामूली मेटावर्स का उपयोग भी अगले दस वर्षों में डेटा इस्तेमाल को 20 गुना तक बढ़ा सकता है।

# दुबई के एयरपोर्ट पर हिजाब पहने तीन पुरुष गिरफ्तार

दुबई (ईएमएस)। देश में इनदिनों हिजाब विवाद काफी बड़ा मुद्दा बना हुआ है। कोई हिजाब पहनने की मांग को लेकर सड़कों पर प्रदर्शन कर रहा है,तब कोई इस हटाने के पीछे पड़ा हुआ है। इस बीच दुबई से एक बड़ी खबर सामने आ रही है,जो काफी हैरान कर देने वाली है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुबई के एयरपोर्ट पर तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। तीनों महिलाओं ने नकाब पहना हुआ था, लेकिन अधिकारियों ने नकाब उतारने के लिए कहा,तब सबके होश उड़ गए।रिपोर्ट के मुताबिक, संयुक्त अरब अमिरात (यूएई) के दुबई एयरपोर्ट पर तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस और इमिग्रेशन ने इन तीनों महिलाओं को शक के निगाह में अरेस्ट किया था। तीनों ने सिर से लेकर पैर तक खुद को हिजाब से एक अरबी पोशाक में ढका हुआ था लेकिन जब अधिकारियों ने ने उन तीनों के नकाब उतारे,तब अंदर से तीन अश्वेत पुरुष बाहर निकले। यह देखकर हर कोई दंग रह गया।

जानकारी के अनुसार, नाइजीरिया के 3 पुरूष गैरकानूनी ढंग से दुबई में घुस थे और उन्होंने खुद को महिलाओं की तरह तैयार कर लिया था। तीनों ने चेहरे पर स्किन कलर का पेंट लगाया था और पूरे बदन को ढक लिया था। सच्चाई किसी को पता नहीं चले इसके लिए तीनों अरबी महिलाओं की तरह तैयार हुए थे।स्थानीय मीडिया के मुताबिक तीनों लोग अपनी जिंदगी को बेहतर बनाने और ज्यादा पैसे कमाने के लिए दुबई आए थे। उन्हें पता चला था कि दुबई में लोग काफी पैसा कमाते हैं,तब उन्होंने भी अपनी किस्मत आजमाने का सोचा।

बता दें कि, दुबई में कड़े कानून होने के कारण इन तीनों को काफी कड़ी सजा सुनाई जा सकती है। दुबई के कानून के मुताबिक, अगर कोई किसी दूसरे की नकल करता है या किसी का अपमान करता है,तब उस 3 साल की कड़ी सजा सुनाई जाती है। साथ ही जुर्माना भी भरना पड़ता है।

# चीन अब बना रहा प्रभावी एमआरएनए कोरोना टीका

-फाइजर और मॉडर्ना वैक्सीन का अब तक नहीं किया आयात

बीजिंग (ईएमएस)। दुनिया भर में कोविड-19 के प्रसार के लिए बदनाम चीन अब प्रभावी एमआरएनए कोरोना टीका बनाने की तैयारी कर रहा है। चीन ने अब तक फाइजर और मॉडर्ना की विकसित असाधारण रूप से प्रभावी एमआरएनए कोविड वैक्सीन में से किसी का आयात नहीं किया है। इसकी बजाय चीन सिनोवैक और सिनोफार्म के टीकों पर निर्भर है। लेकिन अब ये देश अपना खुद का एमआरएनए वैक्सीन विकसित कर रहा है। सिनोवैक और सिनोफार्मा दोनों टीके एक पारंपरिक डिजाइन का उपयोग करते हैं, जिसमें कोरोना वायरस के तमाम स्वरूप होते हैं, जो निष्क्रिय हो गए हैं। टीके बनाने का एक आजमाया हुआ तरीका जो काम करता है। हालांकि, ये टीके शुरू में लोगों को लक्षण वाला कोविड होने से रोकने में काफी अच्छे थे, यह सुरक्षा समय के साथ काफी कम हो गई। ये टीके ओमिक्रोन के संक्रमण से भी पर्याप्त सुरक्षा प्रदान नहीं करते हैं। इसने चीन पर अधिक प्रभावी टीके विकसित करने का दबाव डाला है, क्योंकि वह वायरस के खिलाफ सख्त नियंत्रण नीति अपना रहा है।

एमआरएनए टीके एक अलग तरीके से काम करते हैं। वे शरीर में कोरोना वायरस के आनुवंशिक कोड का एक टुकड़ा रखते हैं, जिसे लिपिड ड्रॉपलेट के अंदर रखा जाता है। एक बार जब यह कोशिकाओं के अंदर पहुंच जाता है, तो कोड पढ़ा जाता है और कोशिकाएं कोरोना वायरस के एक महत्वपूर्ण हिस्से, इसके स्पाइक प्रोटीन की प्रतियां तैयार करती हैं। प्रतिरक्षा प्रणाली तब इन स्पाइक प्रोटीनों को देखती है और उनके प्रति प्रतिक्रिया बढ़ाती है, जिससे आने वाले पूर्ण वायरस के खिलाफ प्रतिरक्षा उत्पन्न होती है। एमआरएनए के टीकों ने शुरू में कोविड के खिलाफ उच्च स्तर की सुरक्षा उत्पन्न की। चूंकि दो खुराकों द्वारा दी जाने वाली सुरक्षा समय के साथ कम हो जाती है और ओमिक्रोन के साथ संक्रमण के खिलाफ बहुत कम सुरक्षा प्रदान करती है, एमआरएनए टीके बूस्टर के रूप में उपयोग किए जाने पर ओमिक्रोन संक्रमण के खिलाफ सर्वोत्तम सुरक्षा प्रदान करते हैं। वे गंभीर बीमारी के खिलाफ बहुत प्रभावशाली सुरक्षा प्रदान करते हैं। शुरुआती नतीजे बताते हैं कि सिनोवैक की तीसरी खुराक, तुलनात्मक रूप से, नए संस्करण के साथ संक्रमण को रोकने में असमर्थ है (हालांकि ये परिणाम अभी भी प्रीप्रिंट में हैं, जिसका अर्थ है कि वे अन्य वैज्ञानिकों द्वारा समीक्षा की प्रतीक्षा कर रहे हैं)।

ऐसा लगता है कि एमआरएनए वैक्सीन तकनीक भविष्य में कोविड के खिलाफ सबसे अच्छी सुरक्षा प्रदान करेगी इसलिए चीन इस तरह के टीके का विकास कर रहा है। हालांकि उसने इस संबंध में किसी को ज्यादा भनक नहीं लगने दी है। एमआरएनए की जगह चीन की अपनी वैक्सीन एआरसीओवी का विकास, मार्च 2020 में शुरू हुआ। इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक फाइजर और मॉडर्न वैक्सीन के समान है, जो वायरस के संशोधित मैसेंजर आरएनए का उपयोग करती है, जिसे लिपिड ड्रॉपलेट में रखा जाता है, ताकि प्रतिरक्षा को बढ़ाया जा सके। हालांकि, फाइजर और मॉडर्न टीकों की तरह वायरस के पूर्ण स्पाइक प्रोटीन से निपटने के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली तैयार करने के बजाय, एआरसीओवी रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन (आरबीडी) की प्रतियां बनाती है, जो वायरस के स्पाइक प्रोटीन का एक प्रमुख उप-भाग है, जिसे यह कोशिकाओं से जुड़ने और प्रवेश करने के लिए उपयोग करता है। वायरस का यह हिस्सा प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा विशेष रूप से पहचाना जाता है, जो बताता है कि इसे लक्षित करने से बेहतर सुरक्षा मिल सकती है।

# ट्रक चालकों के प्रदर्शन के समर्थन में उतरे अरबपति मस्क

-कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो की तुलना हिटलर से की

वॉशिंगटन (ईएमएस)। कानाडा में कोरोना टीके की अनिवार्यता और लॉकडाउन का विरोध कर रहे ट्रक चालकों के ओटावा में चल रहे प्रदर्शन के समर्थन में उतरे दुनिया के सबसे अमीर अरबपति एलन मस्क के कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की तुलना जर्मन तानाशाह एडोल्फ हिटलर से करने पर बवाल मच गया है। एलन मस्क ने ट्विटर पर एक मीम शेयर किया और ट्रूडो की तुलना की क्रूर तानाशाह हिटलर से की। इस ट्वीट पर सोशल मीडिया में बवाल मच गया और एलन मस्क ने बाद में उसे डिलीट कर दिया। इस ट्वीट में एलन मस्क काइन डेस्क के उस ट्वीट पर जवाब दे रहे थे जिसमें कहा गया था कि कनाडा की सरकार उन क्रिप्टो ट्रांजेक्शन पर कार्रवाई कर रही है जिसके जरिए कनाडा के ट्रक चालकों की मदद की जा रही थी। इस ट्वीट के जवाब में एलन मस्क ने हिटलर का मीम ट्वीट करते हुए लिखा, 'मेरी तुलना हिटलर से करना बंद करो।' इस ट्वीट के करीब 12 घंटे बाद एलन मस्क ने लोगों कड़ी आलोचना के बाद उसे डिलीट कर दिया।

इस ट्वीट पर अमेरिका की यहूदी समिति ने एक बयान जारी करके मस्क की कड़ी आलोचना की। समिति ने एक बयान जारी करके कहा कि एलन मस्क ने एक बार फिर से सोशल मीडिया पर अपनी बात रखने के लिए हिटलर का जिक्र करके बहुत गलत फैसला लिया है।' समिति ने मस्क से मांग की कि वह माफी मांगे और अपनी नाखुशी को जताने के लिए कोई और रास्ता तलाश करें। उधर, कनाडा के ओटावा में गुरुवार को बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती के बाद करीब तीन सप्ताह से विरोध प्रदर्शन कर रहे ट्रक चालकों को अपने खिलाफ बल प्रयोग की आशंका सताने लगी है। राजधानी में कर्मचारी आज लगातार दूसरे दिन संसद के बाहर बाड़ लगाते दिखे और अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटने की चेतावनी भी दी। क्षेत्र में बसों में भर-भर कर पुलिसकर्मियों को लाया जा रहा है।

संसद में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा, 'अब वक्त आ गया है कि ऐसी गैरकानूनी और खतरनाक गतिविधियों पर रोक लगाई जाए।' गौरतलब है कि संसद से कुछ ही दूरी पर 300 से ज्यादा ट्रक खड़े हैं। उन्होंने कहा, 'वह हमारी अर्थव्यवस्था और हमारे व्यापार साझेदारों के लिए खतरा हैं। वे सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा हैं।' वहीं इस स्वयंभू 'फ्रीडम कॉन्वाय' में शामिल प्रदर्शनकारियों में से कई ने इस चेतावनी पर बेहद तिरस्कार भरी प्रतिक्रिया दी है। उनके नेताओं में से एक पैट किंग ने कहा, 'मैं जमकर बैठने और देखूंगा कि वे कैसे मेरे ऊपर पेपर स्प्रे (मिंची का स्प्रे) छिड़क रहे हैं।'

# मूसलाधार बारिश से ब्राजील में कोहराम, मरने वालों का आंकड़ा 100 के पार, 116 लोग लापता

पेट्रोपोलिस, ब्राजील (ईएमएस)। ब्राजील में पहाड़ों की नगरी कहलाने वाले पेट्रोपोलिस शहर में मूसलाधार बारिश के कहर के बाद बाढ़ और भूस्खलन में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर गुरुवार को 117 हो गई और 116 लोग अब भी लापता हैं। रियो डी जिनेरियो राज्य सरकार ने मृतकों की संख्या बढ़ने की पुष्टि की। कई लोगों के मिट्टी में दबे होने की आशंका है। दशकों की सबसे भयंकर बारिश के दौरान बाढ़ आने और मिट्टी धंसने से बृहस्पतिवार को गाड़ियां तथा मकान बह गए। एक वीडियो में दो बसों को उफनती नदी में डूबते देखा गया। शहर में भूस्खलन की और घटनाएं होने की आशंका है।

प्राधिकारियों ने कहा कि जोखिम वाले इलाकों में रह रहे लोगों को वहां से निकलना चाहिए। स्थानीय निवासी रोसिलीन वर्जिनिया ने कहा कि उसका भाई बमुश्किल बच पाया और वह इसे चमत्कार मानती हैं लेकिन उनका एक मित्र अभी तक नहीं मिला है। रियो पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि करीब 200 एजेंट जांच चौकियों, शरणार्थी शिविरों और शहर के मुर्दा घर में जाकर जीवित, मृत और लापता लोगों की सूची बना रहे हैं। उन्होंने तीन लोगों को एक स्थानीय स्कूल में जीवित देखने के बाद उन्हें लापता लोगों की सूची से हटा दिया।

# क्या शुरू हो चुका है रूस-यूक्रेन में युद्ध, दोनों ने एक दूसरे पर लगाया फायरिंग का आरोप

मॉस्को (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते टकराव के बीच यूक्रेन सीमा पर तनाव बढ़ गया है। दोनों ही देशों ने एक दूसरे पर गोलीबारी का आरोप भी लगाया है। गुरुवार सुबह रूस ने दावा किया कि यूक्रेनी सेना ने अलगाववादियों के कब्जे वाले डोनेट्स्क पर हमला किया। जिसके बाद अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों ने इसे युद्ध की चिंगारी करार दिया। अब शाम होते-होते यूक्रेन में स्थित अमेरिकी दूतावास ने दावा किया है कि डोनबास में यूक्रेनी सरकार के नियंत्रण वाले क्षेत्र में रूस समर्थित अलगाववादियों ने एक स्कूल को निशाना बनाया है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि हर संकेत यही बता रहे हैं कि रूस यूक्रेन पर हमला करने की पूरी तैयारी में है। इसके लिए रूस ने अलगाववादियों की सहायता से फाल्स फ्लैग ऑपरेशन भी चलाने की कोशिश की। कीव स्थित अमेरिकी दूतावास ने ट्वीट कर कहा कि डोनबास में यूक्रेनी सरकार के नियंत्रण वाले क्षेत्र में रूस के स्टैनित्सिया लुहांस्का की गोलाबारी में एक स्कूल को नुकसान पहुंचा है। इस गोलीबारी में दो शिक्षक घायल हुए हैं, जबकि एक गांव की पावर सप्लाई ठप पड़ गई है। डोनबास में हमलावर स्पष्ट तौर पर रूस है। यह हमला मिन्स्क समझौतों का सीधा उल्लंघन है। यह सीमा के दोनों तरफ के यूक्रेनी नागरिकों के बीच दोबारा संपर्क को लेकर रूस की उपेक्षा को प्रदर्शित करता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि इस बात के कई संकेत हैं कि रूस अगले कुछ दिनों में यूक्रेन पर हमला कर सकता है। रूस और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव के बीच बाइडेन की यह टिप्पणी आई है। इससे इस बात की आशंका बढ़ गई है कि मास्को यूक्रेन पर हमला करने की योजना बना रहा है। रूस ने हालांकि कहा है कि उसकी यूक्रेन पर हमला करने की कोई योजना नहीं है। बाइडेन ने व्हाइट हाउस में कहा कि हमारे पास ऐसे कई संकेत है कि रूस यूक्रेन में घुसने, यूक्रेन पर हमला करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन से लगी सीमा से रूसी सेना की वापसी के दावे पर अमेरिका को कोई संकेत नहीं नजर आया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास विश्वास करने का कारण है कि रूस बनावटी बातें कर रहा है ताकि वह अंदर जाने का बहाना तलाश सके। बाइडेन ने सवालों के जवाब में कहा कि यूक्रेन पर रूसी हमले का खतरा अभी बहुत ज्यादा है। उन्होंने कहा कि हमला अगले कुछ दिनों में हो सकता है और उन्होंने यूक्रेन पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की प्रतिक्रिया को नहीं पढ़ा है। कई खबरों के अनुसार, रूस ने यूक्रेन की सीमाओं के आसपास लगभग 1,50,000 बलों को तैनात किया है।

अमेरिकी विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया गया कि बाइडेन प्रशासन के क्रेमलिन को तीन हफ्ते पहले एक लिखित दस्तावेज दिए जाने के बाद अमेरिका को रूस से जवाब मिला है। इस बीच मास्को ने रूस में अमेरिकी दूतावास में दूसरे सबसे वरिष्ठ राजनयिक को निष्कासित कर दिया है। अमेरिका ने इस बात की पुष्टि की कि रूस ने मास्को में उसके दूतावास में एक वरिष्ठ राजनयिक को निष्कासित कर दिया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि रूस ने अमेरिकी उप राजदूत बार्ट गोर्मन को निष्कासित कर दिया है, जो दूतावास में दूसरे सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं। रूस ने हालांकि अभी तक यह नहीं बताया है कि उसने यह कदम क्यों उठाया है। विभाग ने कहा कि मॉस्को ने यह कार्रवाई बिना उकसावे के की है और हम इसे एक भड़काऊ कदम मानते हैं और अपनी प्रतिक्रिया पर विचार कर रहे हैं।

# गुजरात के खेल विकास का आधार स्तंभ बना खेल महाकुंभ: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि खेल महाकुंभ केवल खेल प्रतिभा की खोज के लिए नहीं बल्कि पूरे गुजरात के खेल के विकास का आधार स्तंभ बन गया है। उन्होंने कहा कि खेल महाकुंभ के जरिए राज्य की खेल नीति की एक अनोखी पहचान स्थापित हुई है। इस वर्ष कोविड-19 के हालात को ध्यान में रखते हुए खेल महाकुंभ का आयोजन किया जाएगा। अहमदाबाद में खेल महाकुंभ के पंजीयन के लिए 'कर्टेन रेजर' पोर्टल के शुभारंभ करते हुए पटेल ने कहा कि खेल के क्षेत्र को उपेक्षा से बाहर लाकर 'जो खेले, वह खिले' के सूत्र के साथ गुजरात में आज से एक दशक पहले शुरू हुआ खेल महाकुंभ अब विराट जन खेलोत्सव बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि गुजरात के युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देकर वैश्विक स्तर के अनुरूप तैयार करने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में खेल महाकुंभ की शुरुआत की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गुजरात में इस तरह का इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है कि यहां ओलंपिक जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन हो सकता है। नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुजरात में खेलकूद का ऐसा इकोसिस्टम और संस्कृति विकसित हुई है कि अब गुजरात के खिलाड़ियों के लिए कोई सीमा नहीं है, सारा आकाश उनका है। खेल महाकुंभ के कारण खेल क्षेत्र में गुजरात ने अभाव को मिटाकर प्रभाव स्थापित किया है। आज गुजरात के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कीर्ति पताका फहरा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'खेलेगा गुजरात, जीतेगा गुजरात' का मंत्र अब गुजरात में बच्चे-बूढ़े सभी के मन में गुंजने लगा है। बच्चे में बचपन से ही खेल के मैदान में पसीना बहाने के संस्कार सिंचन का यह महाकुंभ है। पटेल ने कहा कि खेलकूद के सभी क्षेत्रों में गुजरात ने उत्तम मानव संसाधन शक्ति का निर्माण किया है, खेल महाकुंभ की श्रृंखला उसकी गवाह है। यह केवल खेल महोत्सव नहीं है बल्कि यह तो गुजरात के विकास का अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस युग में युवाओं की मानसिक और शारीरिक क्षमता को विश्वस्तरीय बनाने के महाअभियान का यह एक सफल आयाम है। यह आयाम आज अपने नए पड़ाव पर पहुंचा है, जो गुजरात के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि यह खेल महाकुंभ का मुख्य उद्देश्य लोगों में खेल के प्रति जागरूकता पैदा करना, शारीरिक तंदुरूस्ती बनाए रखना और खेल संस्कृति का विकास करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल महाकुंभ में लोगों की व्यापक भागीदारी देखने को मिली है। रजिस्ट्रेशन की संख्या में हल साल इजाफा हो रहा है। 2010 में आयोजित खेल महाकुंभ में भाग लेने के लिए साढ़े 16 लाख खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। गुजरात के खिलाड़ियों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के वर्ष में खेल महाकुंभ में 75 लाख रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य है। आजादी का अमृत महोत्सव के वर्ष में गुजरात के किशोर, युवा, छोटे-बड़े हर कोई खिलाड़ी इस खेल महाकुंभ में हिस्सा लें। खेल महाकुंभ के इस 'कर्टेन रेजर' के अवसर पर मुख्यमंत्री ने देश के स्वतंत्रता सेनानियों और महापुरुषों से 'फिटनेस' यानी स्वास्थ्य की प्रेरणा लेने का भी अनुरोध किया। उन्होंने विश्वास जताया कि स्वस्थ राज्य के निर्माण में खेल महाकुंभ जैसे आयोजन सहायक बनेंगे।

खेल और युवा सांस्कृतिक गतिविधि राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि खेल महाकुंभ राज्य के प्रत्येक गांव, तहसील और जिले के युवाओं की शक्ति को बाहर लाने का माध्यम है। तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई खेल महाकुंभ की मुहिम आज नए आयाम स्थापित कर रही है। खेल महाकुंभ के चलते राज्य के खिलाड़ी विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने में सफल रहे हैं। संघवी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में खेल महाकुंभ की गतिविधि सुनियोजित रूप से आगे बढ़ रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य के 40 लाख से अधिक खिलाड़ी इसमें हिस्सा लेंगे। राज्य सरकार भी कोविड की गाइडलाइन के अनुपालन के साथ इसका आयोजन कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार राज्य में अनेक स्थानों पर अत्याधुनिक स्पोर्ट्स सेंटर का निर्माण करने जा रही है। इसके साथ ही उपलब्ध ढांचागत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए खेलकूद की अनुषांगिक सुविधाएं विकसित करने को सरकार कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य के युवाओं को खेल की सभी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए राज्य सरकार ने सर्वग्राही आयोजन किया है। विभिन्न खेलों के लिए विशेषज्ञ कोच युवाओं को तालीम दें ऐसी योजना बनाई है। खेल राज्य मंत्री ने कहा कि राज्य में स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का कार्य संपन्न करने की दिशा में राज्य सरकार परिणामोन्मुखी काम कर रही है। अगले दो महीने में और अधिक अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं विकसित कर 15 मई, 2022 तक उसे कार्यरत करने को सरकार कटिबद्ध है। राज्य सरकार के स्पोर्ट्स पॉलिसी बनाने की दिशा में कार्यरत होने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में टेक्सटाइल हब सूरत और अहमदाबाद सहित अन्य शहरों में स्पोर्ट्स वियर यानी खेल परिधान के उत्पादन में बढ़ोतरी का प्रयास जारी है। संघवी ने कहा कि राज्य के खिलाड़ियों को पुलिस विभाग में नौकरी के अवसर उपलब्ध कराने के लिए नीति बनाई जा रही है।

खेल, युवा और सांस्कृतिक गतिविधि विभाग के सचिव अश्विनी कुमार ने कहा कि राज्य में खेलकूद को लेकर सकारात्मक वातावरण है। आज आयोजित कार्यक्रम के चलते इस वातावरण को और भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि समग्र विश्व में स्वस्थ जीवन के लिए खेल को महत्व दिया जाता है। ऐसे में गुजरात में आयोजित होने वाली यह गतिविधि राज्य के खिलाड़ियों को ज्यादा प्रतिस्पर्धी और परिणामोन्मुखी बनाएगी। उन्होंने खेल महाकुंभ में रजिस्ट्रेशन को बढ़ाने का प्रयास करने का अनुरोध भी किया।

## गुजरात में कोरोना के 617 नए मामले, 1885 लोग डिस्चार्ज, 10 मरीजों की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना संक्रमण लगातार कम हो रहा है। शुक्रवार को राज्य में कोरोना के 617 नए मरीज सामने आए, वहीं 1885 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिर्या जबकि 10 मरीजों की मौत हो गई। आज राज्यभर में 178673 लोगों का टीकाकरण किया गर्या फिलहाल गुजरात में कोरोना के 6736 एक्टिव केसों में 35 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं और 6683 स्टेबल हैं। राज्य में अब तक कुल 1202089 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं जबकि अब तक 10874 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। दूसरी ओर सरकार टीकाकरण के मोर्चे पर भी मजबूती के साथ लड़ रही हैं। आज 15 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 90 को दूसरा डोज दिया गर्या 45 वर्ष से अधिक आयु के 2261 को पहला और 12090 को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गर्या 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के 11641 को पहली और 51333 को कोविड की दूसरी वैक्सीन दी गई। 15 से 18 वर्षीय 10382 किशोरों को पहला और 67780 को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गर्या जबकि 23081 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज दिया गर्या राज्य में अब तक कुल 101924309 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं।

# गुजरात के इन 38 दुश्मनों को सजा ए मौत, 11 दोषियों को ताउम्र कैद की सजा

अहमदाबाद (ईएमएस) करीब 14 साल पहले अहमदाबाद में हुए सीरियल बम ब्लास्ट केस में दोषी ठहराए गए 49 लोगों को कोर्ट ने आज सजा का ऐलान कर दिर्या 26 जुलाई 2008 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों में 56 लोगों की मौत हो गई थी और 244 जितने लोग घायल हो गए थे। करीब 13 वर्ष चली कानूनी लड़ाई के बाद आज विशेष अदालत के न्यायधीश एआर पटेल ने गुजरात के 49 दोषियों की सजा का ऐलान कर दिर्या जिसमें 38 अभियुक्तों को फांसी और 11 दोषियों को ताउम्र सजा का आदेश दिया हैं। कोर्ट ने कहा कि बम धमाके देश का सबसे बड़ा आतंकी षडयंत्र था और इसके मुख्य साजिशकर्ता सफदर नागोरी, कयामुद्दीन कापडिया, इकबाल कासम, जाहिद शेख, युनूस मंसूरी और शमशुद्दीन शेख थे। विशेष अदालत ने जाहिद शेख (अहमदाबाद), इमरान इब्राहिम (वडोदरा), इकबाल कासम (वडोदरा), शमशुद्दीन (अहमदाबाद), ग्यासुद्दीन अंसारी (अहमदाबाद), मोहमद कागजी (अहमदाबाद), मोहमद उस्मान (वडोदरा), युनूस अंसारी (अहमदाबाद), कमरुद्दीन चांदमोहमद नागोरी (उज्जैन), आमिल परवाज (उज्जैन), सीबली अहमद करीब (केरल), सफदर नागोरी (उज्जैन), हाफिज हुसैन (कर्नाटक), मोहमद साजिद (भरुच), मुफ्ती अबुबसर शेख (उत्तर प्रदेश), अब्बास समेजा (भुज), जावेद शेख (अहमदाबाद), मोहमद इस्माइल (अहमदाबाद), अफजल उस्मानी (मुंबई), मोहमद आसिफ (मुंबई), आसिफ शेख (पुणे), मोहमद आरिफ (उत्तर प्रदेश), कयामुद्दीन कापडिया (वडोदरा), मोहमदसैफ शेख (उत्तर प्रदेश), जिशान अहमद (उत्तरप्रदेश), जियाउर रहमान (उत्तर प्रदेश), मोहमद शकील लुहार (उत्तर प्रदेश), मोहमद अकबर (पुणे), फजले रहमान (पुणे), अहमद बावा बरेलवी (कर्नाटक), सरफुद्दीन सलीम (हैदराबाद), सैफुर रहमान (उत्तर प्रदेश), सादुली अहमद करीब (केरल), मोहमद तनवीर (उत्तर प्रदेश), आमिन शेख (मध्य प्रदेश), मोहमद मोबिन (मध्य प्रदेश), मोहमद रफीक (अहमदाबाद) और तौसिफखान पठान (जलगांव) फांसी की सजा सुनाई हैं। जबकि अतिकुर रहमान (राजस्थान), मेहंदी हसन अंसारी (राजस्थान), इमरान अहमद पठान (राजस्थान), मोहमद अली अंसारी (मध्य प्रदेश), मोहमद सादिक शेख (मुंबई), रफीउद्दीन कापडिया (भरुच), अनिक खालिक सैयद (पुणे), मोहमद नौशाद सैयद (कर्नाटक), मोहमद अंसार नदवी (केरल), मोहमद सफिक अंसारी (मध्य प्रदेश) और मोहमद अबरार मणियार (मध्य प्रदेश) को ताउम्र सजा का आदेश दिया है। गौरतलब है 26 जुलाई 2008 को हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के बाद हरकत में आई गुजरात पुलिस ने ताबड़तोब कार्यवाही करते हुए 19 दिनों में पूरी साजिश का पर्दाफाश करते हुए देश के विभिन्न हिस्सों से एक के बाद एक आरोपियों को गिरफ्तार कोर्ट में चार्जशीट फाइल कर दी थी। करीब 13 साल चली कानूनी जंग में गुजरात पुलिस की मेहनत रंग लाई और मानवता के दुश्मनों को अदालत ने मृत्युदंड से लेकर ताउम्र यानी अंतिम सांस तक कारावास की सजा सुनाई हैं।

## जाली नोटों की हेराफेरी का पर्दाफाश, 3.29 लाख की जाली नोट समेत 3 गिरफ्तार

महीसागर (ईएमएस) एसओजी ने जाली नोटों की हेराफेरी का पर्दाफाश करते हुए तीन शख्सों को गिरफ्तार किया हैं। पकड़े गए शख्सों के पास से एसओजी ने रु. 3.29 लाख की जाली नोट भी बरामद की हैं। जानकारी के मुताबिक महीसागर जिले की संतरामपुर तहसील के डोली गांव के निकट पूर्व सूचना के आधार पर एसओजी पुलिस वॉच पर थी। उस वक्त मोटर साइकिल पर आ रहे तीन शख्सों को रोक उनकी तलाशी में रु. 500 के दर के 77, रु. 200 के दर के 1456 समेत कुल रु. 329700 जाली नोट बरामद हुई। जाली नोट के साथ एसओजी ने प्रताप डामोर, महेश रणछोड और शना मला चंदाणा को गिरफ्तार कर लिर्या पकड़े गए तीनों आरोपी दाहोद जिले के मूल निवासी हैं जो जाली नोट को असली बताकर भुनाते थे। पुलिस ने आरोपियों के 3 मोबाइल और 2 मोटर साइकिल समेत कुल रु. 4.20 लाख माल-सामान जब्त

## मुख्यमंत्री का नगर पालिका द्वारा वसूले जाने वाले टैक्स में राहत का ऐलान

- 'आजादी का अमृत महोत्सव प्रोत्साहक वळतर योजना' शुरू करने का फैसला

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के नगरों में रहने वाले नागरिकों के लिए आजादी का अमृत महोत्सव के इस वर्ष में 'आजादी का अमृत महोत्सव प्रोत्साहक वळतर' यानी करों में छूट की योजना शुरू करने का महत्वपूर्ण निर्णय किया है। मुख्यमंत्री ने राज्य की नगर पालिकाओं द्वारा नागरिकों को उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न बुनियादी सेवाओं के लिए वसूले जाने वाले कर जैसे कि संपत्ति कर, सामान्य जल कर, विशेष जल कर, प्रकाश कर और गटर यानी सीवेज कर आदि के भुगतान में नागरिकों को सहूलियत और प्रोत्साहन देने के लिए यह नवीन दृष्टिकोण अपनाया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस योजना के अंतर्गत यह निर्णय किया है कि यदि नागरिक वित्तीय वर्ष 2022-23 के कर की रकम का 31 मई, 2022 तक अग्रिम भुगतान करते हैं, तो उन्हें 10 फीसदी की छूट दी जाएगी। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया के संकल्प को तेजी देने के लिए श्री पटेल ने यह भी निर्णय किया है कि इन करों की रकम का मोबाइल एप या ई-नगर के ऑनलाइन पोर्टल के मार्फत 31 मई, 2022 तक भुगतान करने वाले नागरिकों को अतिरिक्त 5 फीसदी की छूट दी जाएगी, अर्थात डिजिटल ट्रांजेक्शन करने वाले नागरिकों को कुल 15 फीसदी छूट का लाभ मिलेगा। उन्होंने राज्य की नगर पालिकाओं के पहले के वर्षों के कर की बकाया राशि का भुगतान करने वाले नागरिकों को भी टैक्स भुगतान में सहूलियत दी है। तद्नुसार, भूपेंद्र पटेल ने यह निर्णय किया है कि जिन करदाता नागरिकों पर पहले के वर्षों का संपत्ति कर बकाया है, उसका भुगतान 31 मार्च, 2022 तक करने पर नोटिस फीस, ब्याज, पेनाल्टी और वारंट फीस की रकम सौ फीसदी माफ कर दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि राज्य की नगर पालिकाओं की आय का मुख्य स्त्रोत करदाताओं से वसूल की जाने वाली कर की आय ही है। इस तरह विभिन्न करों से प्राप्त होने वाली आय को नगर पालिकाएं शहर के विकास कार्य और नागरिकों को आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराने संबंधी कार्यों पर खर्च करती हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य की नगर पालिकाओं की आय में बढ़ोतरी हो साथ ही करदाताओं को भी कर भुगतान में आसानी रहे एवं प्रोत्साहन मिले, ऐसे उदार भाव से यह 'आजादी का अमृत महोत्सव प्रोत्साहक वळतर' योजना क्रियान्वित करने का नागरिक हितैषी निर्णय किया है।

## सीरियल ब्लास्ट में कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला, पुलिस और वकीलों ने प्रशंसनीय कार्यवाही : डीजीपी

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया ने अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट केस में विशेष अदालत के फैसले ऐतिहासिक बताया और कहा कि वर्षों की मेहनत का आखिरकार आज परिणाम मिला हैं। इसके लिए आशीष भाटिया ने गुजरात पुलिस और वकीलों की टीम का अभिनंदन किर्या पुलिस महानिदेशक ने कहा कि 20 केस अहमदाबाद शहर में दर्ज किए गए थे और 15 जितने मामले सूरत शहर में दर्ज किर्ए अहमदाबाद और सूरत के मिलाकर कुल 35 मामलों को जोड़कर एक केस तैयार किया गर्या इस मामले में कुल 547 चार्टशीट तैयार की गई थी। पूरे मामले में 80 आरोपी थे और इसमें 77 के खिलाफ सुनवाई हुई। जिसमें 49 को दोषी करार दिया गया और 28 को निर्दोष घोषित किया गर्या 49 में से 38 दोषियों को आज फांसी की सजा और 11 दोषियों को ताउम्र सजा सुनाई गई हैं।

## शाहरुख खान ने अपने खिलाफ दर्ज रद्द करने की गुजरात हाईकोर्ट में लगाई गुहार

अहमदाबाद (ईएमएस) बोलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने अपने खिलाफ दर्ज पांच साल पुराने मामले को रद्द करने के लिए गुजरात हाईकोर्ट में गुहार लगाई हैं। आगामी 24 फरवरी को हाईकोर्ट मामले पर सुनवाई करेगी। घटना उस वक्त की जब शाहरुख खान अपनी फिल्म 'रईस' के प्रमोशन के लिए मुंबई-दिल्ली के चलने वाली अगस्त क्रांति ट्रेन में यात्रा कर रहे थे। वडोदरा में इसकी खबर लगते ही बड़ी संख्या में लोग रेलवे स्टेशन पर जमा हो गए। 23 जनवरी 2017 की रात 10 बजे मुंबई से चलकर अगस्त क्रांति के वडोदरा रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर शाहरुख खान ट्रेन के दरवाजे पर आ गए। उस वक्त शाहरुख ने अपनी टी शर्ट और गेंद स्टेशन पर जमा भीड़ की तरफ उछाल दी। टी शर्ट और गेंद पाने की चाहत में लोगों में अफरातफरी मच गई। स्थिति बिगड़ते देख वहां मौजूद पुलिस को लाठी चार्ज करना पड़ा और उस दौरान लोगों में भगदड़ मच गई और उसमें एक शख्स की मौत हो गई थी। मामला जब तत्कालीन रेल मंत्री सुरेश प्रभु के पास पहुंचा तो उन्होंने राज्य के रेलवे पुलिस महाप्रबंधक को घटना की जांच का आदेश दे दिया। वडोदरा रेलवे पुलिस ने शाहरुख के साथ ही फिल्म 'रईस' के को-प्रोड्युसर एक्सेल एंटरटेनमेंट को भी समन भेजा थर्ा जिसके खिलाफ शाहरुख खान ने गुजरात हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी। याचिका के बाद गुजरात हाईकोर्ट ने वडोदरा रेलवे पुलिस द्वारा उनके खिलाफ जारी समन पर रोक लगा दी। इस मामले में याचिकाकर्ता के वकील ने गुजरात हाईकोर्ट के समक्ष दलील दी कि शाहरुख खान रेल यात्रा कर रहे थे और ऐसे में उन्हें अपनी फिल्म का प्रचार करने की जरूरत नहीं थी। लेकिन शाहरुख खान ने न सिर्फ प्रचार किया, बल्कि बड़ी संख्या में रेलवे स्टेशन पर मौजूद लोगों के बीच अपनी टी शर्ट और गेंद उछाल दी। जिसकी वजह से प्लेटफार्म पर अफरातफरी मच गई और पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। जिसमें मेरे मुवक्कील की मौत हो गई। हाईकोर्ट ने हलके अंदाज में याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि भविष्य में जब यह मामला ट्रायल कोर्ट में चलेगा, तब भी इतनी भीड़ एकत्र होगी, जिसका आप को अनुमान है क्या? हाईकोर्ट ने कहा कि वह शाहरुख खान से मामले के लिए माफी मांगने को कहेंगे। गुजरात हाईकोर्ट मामले की अगली सुनवाई 24 फरवरी को करेगी।

## भारत में इजरायल के राजदूत ने गुजरात के मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार मुलाकात

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से भारत में इजरायल के राजदूत नाओर गिलोन ने शुक्रवार को गांधीनगर में शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री के साथ उन्होंने विशेषकर गुजरात में इजरायल के सहयोग एवं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से शुरू किए गए संस्थान- 'आई-क्रिएट' के मार्फत युवा शक्ति के नवाचार एवं नवीन शोध-संशोधन को मिल रहे प्रोत्साहन के संबंध में विस्तृत परामर्श किया। मुख्यमंत्री ने भी हाल ही में आई-क्रिएट के अपने दौरे एवं वहां चल रही गतिविधियों के संबंध में उन्हें अवगत कराया।

इजरायल के राजदूत ने गुजरात के साथ कृषि क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) सहित इजरायली भागीदारी को और ज्यादा व्यापक बनाने की भी तत्परता व्यक्त की। इजरायल के राजदूत नाओर गिलोन ने इजरायल की डिसेलिनेशन प्लांट टेक्नोलॉजी के जरिए समुद्र के खारे पानी को मीठे पेयजल में बदलने की सफलता के गुजरात में भी प्रयोग को लेकर मुख्यमंत्री के साथ चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से निर्मित दुनिया की सबसे ऊंची सरदार प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा करने का भी आमंत्रण दिया। इस शिष्टाचार मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव पंकज जोषी एवं उद्योग आयुक्त राहुल गुप्ता भी उपस्थित थे।

## सीरियल ब्लास्ट में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी को मारने की साजिश थी

अहमदाबाद (ईएमएस) यहां की विशेष अदालत ने आज जुलाई 2008 को अहमदाबाद में हुए सीरियल ब्लास्ट के दोषियों को सजा का ऐलान कर दिर्या बम धमाके के 49 दोषियों में से 38 को फांसी और 11 को ताउम्र कैद की सजा सुनाई गई हैं। कोर्ट ने अपने फैसले में सीरियल ब्लास्ट में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी की साजिश का चौंकाने वाला खुलासा किया हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि नरेन्द्र मोदी भाग्यशाली हैं, जिन्हें बम धमाकों में कोई नुकसान नहीं हुआ। गौरतलब है कि 26 जुलाई 2008 की शाम 6.15 बजे से शाम 7.15 बजे तक 90 मिनट के दौरान अहमदाबाद के विभिन्न इलाकों में 20 जितने बम धमाके हुए थे। इन बम धमाकों में 56 लोगों की मौत हुई थी। जिसमें सबसे अधिक अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में 35 लोगों की बम धमाकों में मौत हो गई थी। अहमदाबाद के सिविल अस्पताल और एलजी अस्पताल अस्पताल में पार्क वेगन आर और मारुति कार में आतंकियों ने बम ब्लास्ट किया था। जिसकी वजह से सिविल अस्पताल में सबसे अधिक 35 लोग मारे गए थे। विशेष अदालत ने बम ब्लास्ट में सुरक्षित रहने पर गुजरात के तत्काली मुख्यमंत्री और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भाग्यशाली बतार्या आतंकियों को जानते थे कि हमेशा सक्रिय रहनेवाले गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी बम धमाकों में घायलों को मिलने अस्पताल जरूर आएंगे। यही सोचकर आतंकियों ने सिविल और एलजी अस्पताल में बम प्लांट किए थे। लेकिन मोदी के पहुंचने से पहले ही बम धमाके हो गए और उनका बाल भी बांका नहीं हुआ।

## गुजरात ने हासिल की देशभर में सर्वप्रथम हाई एंड जीनोम सिक्वेंसिंग मशीन को स्थापित करने की उपलब्धि

- मुख्यमंत्री ने हाई-थ्रूपुट नेक्स्ट जनरेशन सिक्वेंसिंग मशीन- नोवासेक 6000 का किया अनावरण

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व में गुजरात ने जीनोम सिक्वेंसिंग के क्षेत्र में एक नवीनतम पहल शुरू की है। राज्य सरकार के संस्थान गुजरात बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर (जीबीआरसी) ने नई हाई-थ्रूपुट जीनोम सिक्वेंसिंग 'नोवासेक 6000' मशीन खरीदी है। गुजरात ने इस मशीन की स्थापना के जरिए किसी भी राज्य सरकार द्वारा संचालित संस्थान में ऐसी अद्यतन मशीन को सर्वप्रथम स्थापित करने की उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जीतूभाई वाघाणी, मुख्य सचिव पंकज कुमार तथा सचिव विजय नेहरा की मौजूदगी में साइंस सिटी में राज्य की नई बायोटेक्नोलॉजी पॉलिसी को लॉन्च करने के अवसर पर इस मशीन का लोकार्पण किया था। गुजरात में बायोटेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में ट्रांसनेशनल रिसर्च करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत गुजरात बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर की स्थापना की गई है। इस संस्थान में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं स्थानीय एजेंसियों द्वारा दिए गए 30 से अधिक प्रोजेक्ट चल रहे हैं। यही नहीं, कोविड-19 महामारी के दौरान जीनोमिक्स सर्विलांस (कोरोना वायरस के पूरे जीनोम सिक्वेंस की खोज), डायग्नोस्टिक्स और अपशिष्ट जल निगरानी (वेस्ट वाटर सर्विलांस) आदि क्षेत्रों में भी जीबीआरसी ने काम किया है। मुख्यमंत्री ने इस संस्थान को और अधिक सुदृढ़ और सक्षम बनाने के उद्देश्य से 13.95 करोड़ रुपए की लागत से हाई-थ्रूपुट जीनोम सिक्वेंसिंग मशीन की खरीद को मंजूरी दी थी। तद्नुसार जीबीआरसी द्वारा इस 'नोवासेक 6000' मशीन की खरीदी के बाद उसकी स्थापना करने के परिणामस्वरूप जीबीआरसी की सिक्वेंसिंग क्षमता लगभग 9 गुना बढ़ गई है। इस अद्यतन 'इलुमिना नोवासेक 6000' मशीन की क्षमता दो दिन में 6 टीबी और 20 बिलियन रीड जनरेट करने की है। जीबीआरसी में स्थापित इस मशीन की मदद से एक महीने में 3000 से अधिक सार्स-कोव-2 यानी कोविड-19 वायरस का जीनोम सिक्वेंसिंग करना संभव है। इस मशीन की सहायता से नए म्यूटेशन या स्ट्रेन का निरीक्षण करना भी ज्यादा आसान रहेगा। कैंसर, रेयर जेनेटिक डिसऑर्डर, पॉप्युलेशन जेनेटिक्स यानी जनसंख्या आनुवंशिकी और संपूर्ण जीनोम/एक्जोम/ट्रांसक्रिपटॉम जैसे अन्य संशोधन भी आसानी से किए जा सकेंगे। इस मशीन की मदद से दो से तीन दिनों में एक साथ लगभग 50 मनुष्यों के पूर्ण जीनोम की सिक्वेंसिंग हो सकती है। बेहतर नस्ल के पशु या पौधे के चयन के लिए पशु नस्ल और पौधे सुधार कार्यक्रमों में भी यह मशीन उपयोगी साबित हो सकती है। 'नोवासेक 6000' हाई-थ्रूपुट सिक्वेंसर की वजह से विभिन्न औद्योगिक एप्लीकेशन के लिए अभी भी 'अनकल्चर्ड' और कम मात्रा में होने वाले सूक्ष्म जीवाणुओं का अन्वेषण करना संभव होगा। इस मशीन की मदद से आयुर्जीनोमिक्स (जीनोमिक्स अर्थात एक जीव के सभी जीनों के अध्ययन का आयुर्वेद के साथ संयोजन) और फार्मेकोजीनोमिक्स (इस बात का अध्ययन कि जीन किसी व्यक्ति की दवाओं के प्रति प्रतिक्रिया को कैसे प्रभावित करता हैं) जैसे जीनोमिक

# डायकिन लाँच फ्युचर रेडी स्प्लिट रूम एसी रेंज

गुजरात के लिए आक्रामक ग्राहक अभियान




18 फरवरी, 2022, विश्व में क्र. 1की वातानुकूलक (एसी) कंपनी डायकिन इंडस्ट्रीज़ लि., जापान की 100ॿ उपकंपनी, डायकिन एअर-कंडिशनिंग इंडिया प्रा. लि. द्वारा कमरे के लिए स्प्लिट वातानुकूलकों (एसी) की एक नयी श्रेणी लाँच की है। विचारशील भारतीय ग्राहकों के लिए बनी इस श्रेणी की संकल्पना और उत्पादन स्वदेशी हैं। इस नयी 'यू' सीरीज़ में भविष्य के लिए तैयार प्रौद्योगिकी (टेक्नोलॉजी) है, जो ग्राहकों के सभी परिसरों में वातानुकूलन की गुणवत्ता का प्रबंधन करने के लिए उन्हें सक्षमित करती है।

डायकिन में हमारा अनुसंधान दर्शाता है कि, हवा का दरजा और स्वास्थ्य पर ग्राहकों द्वारा अत्यधिक जोर दिया जाता है, इसलिए अब हम अपनी पेटंटेड स्टीमर डिस्चार्ज प्रौद्योगिकी, 4-स्टार सेगमेंट में भी लाये हैं और इसके अलावा, वाय-फाय से युक्त उत्पादों के अपग्रेड का प्रस्ताव भी रखा गया है। हमारी डयू क्लीन प्रौद्योगिकी के साथ, हम उत्पादों में नवीनीकरण द्वारा शुद्ध हवा देने की हमारी प्रतिबद्धता को आगे ले जा रहे हैं। यह प्रौद्योगिकी इनडोअर यूनिट्स (आयडीयू) को, वातावरण में स्थित जल द्वारा स्वयं-स्वच्छता करने के लिए सक्षमित कर, स्वच्छ और कार्यक्षम संचालन सुनिश्चित करती है।

श्री. के जे जावा, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, डायकिन इंडिया का कहना है कि, ''डायकिन में, प्रत्येक भारतीय की आवश्यकताओं को पूरा करनेवाले 'मेक इन इंडिया' उत्पाद का निर्माण हमारा सपना है। वातानुकूलक (एसी) अब एक ज़रूरत बन जाने के कारण, उभरते ग्राहकों की इच्छा-आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए, उत्पाद नवकल्पना और गुणवत्ता में मूलगामी बदलाव लाने की आवश्यकता डायकिन एसी को थी। डायकिन वातानुकूलकों (एसी) की नयी श्रेणी अधिक ऊर्जा-प्रयोग शुल्क को प्रभावित किये बिना, पुरानी और अप्रचलित प्रौद्योगिकी से अद्यतनित करने के लिए, बढ़ती हुई जनसंख्या को सक्षमित करेगी।''

डायकिन की नयी श्रेणी की विशेषताएँ

☐ नयी श्रेणी 15ॿ अधिक ऊर्जा कार्यक्षम है ☐ डयू क्लीन प्रौद्योगिकी, स्वच्छ और कार्यक्षम आइडीयू संचालन के लिए ☐ स्टीमर डिस्चार्ज प्रौद्योगिकी, हवा की गुणवत्ता के लिए ☐ तीन आइडीयू डिस्प्ले, देखरेख के लिए ☐ वाइ-फाइ विकल्प उपलब्ध, सुलभ संचालन के लिए ☐कम लागत का हीट पंप, गरम और ठंड़े के संचालन के लिए

## शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित करने वाले फिनटेक प्लेटफॉर्म प्रोपेल्ड ने सीरीज़ बी फंडिंग में जुटाई 262 करोड़ रूपए की राशि

18 फरवरी, 2022: शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित करने वाले फिनटेक प्लेटफॉर्म प्रोपेल्ड ने वेस्टब्रिज कैपिटल **(WestBridge Capital)** के नेतृत्व में सीरीज़ बी फंडिंग में 262 करोड़ रु. की राशि जुटाई है, इस राउण्ड में मौजूदा निवेशक- स्टेलेरिस वेंचर पार्टनर्स **(Stellaris Venture Partners)** और इंडिया क्वशन्ट **(Iåia Quotient)** भी शामिल रहे। 2017 में आईआईटी मद्रास के पूर्वछात्रों बिभु प्रसाद दास, विक्टर सेनापति और बृजेश समान्तरे द्वारा स्थापित प्रोपेल्ड ने 500 से अधिक शिक्षा संस्थानों के साथ साझेदारी की है और वर्तमान में इसने रु 600 करोड़ सालाना ऋण वितरण की रनरेट दर्ज की है।

मौजूदा फंडिंग राउंड के साथ, प्रोपेल्ड ने कम फाइनेंसिंग पहुँच वाले एजुकेशन मार्किट में अपने लोन बुक को विकसित करने और अपने ऊाम्प्लेटफार्म की क्षमता बढ़ाकर अपने साझेदार संस्थानों और लर्नर्स को लोन प्रोसेस का एक बेहतर अनुभव करवा सके।

फंडरेज़िंग के बारे में बात करते हुए बिभु प्रसाद दास, सह-संस्थापक, सीईओ, प्रोपेल्ड ने कहा, ''हम उन छात्रों की पढ़ाई के सपने को साकार करने में सफल रहे हैं जिन्हें पारम्परिक वित्तीय संस्थानों से आर्थिक सहायता नहीं मिल पाती। अब तक हमें अपने साझेदारों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, जो हमारे बिज़नेस मॉडल और बाज़ार में मौजूद अवसरों में हमारे भरोसे को और मजबूत बनाती है।'

## अहमदाबाद मण्डल पर संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर आज दिनांक 18 फरवरी 2022 को रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली के महानिदेशक रविंद्र गुप्ता तथा मंडल रेल प्रबंधक तरुण जैन के निर्देशन में मंडल कार्यालय के ऑडिटोरियम में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए मंडल रेल प्रवक्ता ने बताया कि, इस अवसर पर महानिदेशक सरंक्षा-रेल्वे बोर्ड द्वारा उपस्थित सभी सदस्यों से संरक्षा को ओर बहेतर बनाने के लिए उनके विचार मांगे गए तथा सूचित किया गया की, रेल्वे भारतीय जनमानस की लाइफलाइन है अतः सभी रेल कर्मियों की यह नैतिक जिम्मेदारी है की अपने कार्य के द्वारा यह सुनिश्चित करें कि किसी भी प्रकार की रेल दुर्घटना न घटें। संरक्षा विभाग द्वारा दिए गए विभिन्न तकनीकी एवं परिचालन से संबंधित विषयों पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन (इझ्ऊ) के माध्यम से ऑन लाइन एवं ऑफ लाइन उपस्थित सभी वरिष्ठ पर्यवेक्षक एवं कर्मचारियों को रेल संरक्षा सुनिश्चित करने हेतु अवगत कराया गया। संरक्षा सेमिनार में प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी-चर्चगेट सतीश दुधे एवं मण्डल रेल प्रबंधक, महोदय तरुण जैन ने भी उपस्थित अधिकारी/पर्यवेक्षकों से अपने अनुभव साझा करते हुए संरक्षा के क्षेत्र में सजग रहने हेतु परामर्श दिया। संरक्षा विभाग अहमदाबाद मण्डल के वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी ए. वी. पुरोहित द्वारा पर्यवेक्षकों व स्टाफ को संरक्षा सुनिश्चित करने हेतु सतर्कता के साथ अपना कार्य करने हेतु समझाया गर्या कार्यक्रम के अंत में सहायक मण्डल संरक्षा अधिकारी गौरव सारस्वत द्वारा सभी उपस्थित अधिकारियों, अपने स्टाफ के साथ उपस्थित पर्यवेक्षकों का धन्यवाद दिया। संरक्षा सेमिनार में सभी शाखा अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं स्टाफ के करीब 125 सदस्य उपस्थित थे। संरक्षा सेमिनार/मिटींग में यूटयूब लाइव से करीब 355 कर्मचारियों व जूम एप्प पर करीब 100 लाइन स्टाफ कर्मचारियों को भी इस सेमिनार से संरक्षा सुनिश्चित करने का लाभ मिल सका।

## पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस-बाड़मेर स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

यात्रियों की सुविधा और उनकी मांग को पूरा करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रेन संख्या 09037/38 बांद्रा टर्मिनस-बाड़मेर स्पेशल ट्रेन के फेरों को विशेष किराए के साथ विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस विशेष ट्रेन का विवरण निम्न प्रकार हैः-

ङ ट्रेन संख्या 09037/09038 बांद्रा टर्मिनस-बाड़मेर स्पेशल ट्रेन ड10 फेरे.

ट्रेन संख्या 09037 बांद्रा टर्मिनस-बाड़मेर विशेष ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार को बांद्रा टर्मिनस से 19.25 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 13.45 बजे बाड़मेर पहुंचती है। इस ट्रेन के फेरों को 25 फरवरी से 25 मार्च, 2022 तक विस्तारित किया गया है। इसी तरह, ट्रेन नंबर 09038 बाड़मेर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल ट्रेन प्रत्येक शनिवार को बाड़मेर से 21.00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 15.45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचती है। इस ट्रेन के फेरों को 26 फरवरी से 26 मार्च, 2022 तक विस्तारित किया गया है। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, महेसाणा, पाटन, भीलड़ी, धनेरा, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोडरन, जालोर, मोकलसर, समदड़ी, बालोतरा और बायतू स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3-टियर और स्लीपर क्लास कोच शामिल हैं।

ट्रेन संख्या 09037 की बुकिंग 19 फरवरी, 2022 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराये के साथ पूर्णतः आरक्षित ट्रेन के रूप में चलेगी।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री [illegible] पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों को बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य के दौरान कोविड-19 से सम्बंधित सभी मानदंडों तथा एसओपी का पालन करने का अनुरोध किया गया है।


पश्चिम रेलवे द्वारा

**बान्द्रा टर्मि और बाड़मेर के बीच**

**विशेष रेलगाड़ी के फेरों में विस्तार**

| गाड़ी संख्या | आरंभ स्टेशन व गंतव्य | विस्तार की अवधि | प्रस्थान | आगमन |
|---|---|---|---|---|
| 09037 | बांद्रा (टर्मि.) – बाड़मेर (प्रत्येक शुक्रवार) | 25.02.2022 से 25.03.2022 तक | 19.25 बजे | 13.45 बजे (अगले दिन) |
| 09038 | बाड़मेर – बांद्रा (टर्मि.) (प्रत्येक शनिवार) | 26.02.2022 से 26.03.2022 तक | 21.00 बजे | 15.45 बजे (अगले दिन) |

**ठहराव** : दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, महेसाना, पाटन, भीलड़ी, धनेरा, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोदरान, जालोर, मोकलसर, समधड़ी, बालोतरा और बायतु स्टेशन।

**संरचनाः** वातानुकूलित 3 –टियर एंव शयनयान श्रेणी कोच।

गाड़ी संख्या 09037 के लिए बुकिंग 19 फरवरी 2022 आईआरसीटीसी वेबसाइट व पीआरएस काउंटरों पर खोली जाएगी। उपरोक्त रेलगाड़ी पूर्णतः आरक्षित होगी।

विशेष रेलगाड़ियों के ठहरावों के समय एवं संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट **www.enquiry.indianrail.gov.in** देखें।

यात्रियों को बोर्डिंग, यात्रा के दौरान एवं स्टेशन पर कोविड 19 से संबंधित सभी नियमों व एसओपी का पालन करने की सलाह दी जाती है।

पश्चिम रेलवे
www.wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें : twitter.com/WesternRly
आज़ादी का अमृत महोत्सव

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए पहचान-पत्र साथ लायें


मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95